www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 119 || लखनऊ
बुधवार
29 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:28
सूर्यास्तः 06:57
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07 »

विशेष समाचार धुंधलाती गुरु-गरिमा को ... >> पेज 04 | महिला ने वीडियो बनाकर लगाई ... >> पेज 06 | बादशाह दूसरी बार लेंगे तलाक !...

राहुल- प्रियंका का आरोप : रेपिस्ट की पैरवी करने वाले को शिक्षा मंत्री बनाया

एंटी-पेपर लीक बिल पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में दोपहर 2 बजे से पेपर लीक से जुड़े 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा हुई। विधेयक में 2024 में बने कानून में बदलाव का प्रस्ताव है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा इससे पेपर लीक रोकने में मदद मिलेगी। लोकसभा में प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्री बनाने पर भी हंगामा हुआ। संसद के बाहर राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने रेपिस्ट की पैरवी करने वाले शख्स को शिक्षा मंत्री बनाया है। यही बात प्रियंका गांधी ने भी लोकसभा में कही, हालांकि उनकी टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रियंका बोलीं- नए शिक्षा मंत्री ने गर्भवती महिला के बलात्कारियों की रिहाई पर सहमति व्यक्त की थी। इसके बाद भाजपा सांसदों ने प्रियंका की टिप्पणी के बाद हंगामा कर दिया।

प्रियंका ने पूछा- सरकार बताए पैलेट गन चलाने का ऑर्डर किसने दिया

- बच्चों पर लाठीचार्ज किसके आदेश पर हुआ, इसका जवाब पूरा देश चाहता है। जनता ने सांसदों को अपनी सेवा और जवाबदेही के लिए चुना है।
- छात्रों की मांग थी कि पेपर लीक के दोषियों पर कार्रवाई हो, शिक्षा माफिया हटे, मंत्री इस्तीफा दें और लाठीचार्ज के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई कर माफी मांगी जाए।
- शिक्षा व्यवस्था की खामियों और पढ़ाई के दबाव से कई छात्र आत्महत्या या डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। परिवार कर्ज लेकर पढ़ाई कराते हैं, फिर भी नौकरी की गारंटी नहीं है।

प्रहलाद जोशी बोले- प्रियंका जी को अपने बयानों का सबूत देना चाहिए। इस अफवाह के संबंध में कार्रवाई की जानी चाहिए। क्या कोई कुछ भी कह सकता है और इससे बच सकता है?

अखिलेश बोले- छात्रों को करंट लगाया, आंसू गैस छोड़े

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा में पेपर लीक संशोधन बिल पर कहा– सरकार वचन नहीं, जुमले देती है। जो लोग चढ़ावा नहीं बचा सके, वो पेपर लीक कैसे बचा पाएंगे? इन्होंने महापाप किया है। भगवान राम माफ नहीं करेंगे। अखिलेश ने कहा– इमरजेंसी में क्या–क्या हुआ, वह अभी दिल्ली में भी देखने को मिला। आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इस बार करंट लगाया गया। यह इमरजेंसी जैसा ही हमला था। इमरजेंसी के बाद भी परिवर्तन हुआ था। हमें भरोसा है कि इस बार भी परिवर्तन होगा। आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर अखिलेश ने कहा– इन्होंने (भाजपा) कोई सरकारी यूनिवर्सिटी नहीं बनाई। अगर कोई प्राइवेट यूनिवर्सिटी बन गई, तो उसे हथौड़ा लेकर तोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अखिलेश ने करीब 25 मिनट तक लोकसभा में अपनी बात कही। वह जब भी सरकार पर हमला करते, तब–तब डिंपल यादव–इकरा हसन समेत बाकी सपा सांसद शेम–शेम कहते नजर आए।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था।

इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था। इधर, न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (MeitY) ने Meta (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है।

छात्रों के उत्पीड़न पर सीजेपी संस्थापक की चेतावनी

पुलिस की कार्रवाई नहीं रुकी तो जल्द होगा बड़ा शांतिपूर्ण प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सीजेपी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए छात्रों के उत्पीड़न को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस की ओर से छात्रों को परेशान करने का सिलसिला जारी रहा, तो कॉकरोच जनता पार्टी (Cockroach Janta Party) जल्द ही एक बड़ा शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेगी। अभिजीत दिपके ने अपने पोस्ट में सरकार से मांग की है कि वह छात्रों को निशाना बनाना और उनका उत्पीड़न करना तुरंत बंद करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों के खिलाफ हो रही इस तरह की कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीजेपी संस्थापक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से यह बात कही है।

उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पुलिस का रवैया नहीं बदला, तो पार्टी सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराएगी। यह प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण होगा।

प्रियंका बोलीं- युवा न्याय मांग रहे हैं, भीख नहीं

- फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड पहले से ही खराब है। कल की कार्रवाई में सीबीआई अधिकारी नहीं पहुंचे। संसद में विपक्ष को दोषी ठहराने से काम नहीं चलेगा।
- जनता का भरोसा जीतना है तो प्रधानमंत्री जी नए एंगल से वीडियो बनाने से काम नहीं चलेगा। पीएम मोदी को कैमरे का एंगल नहीं दिल का एंगल बदलना पड़ेगा। ये जनरेशन झूठ पकड़ सकती है।
- देश के नौजवान न्याय मांग रहे हैं भीख नहीं। वे सरकार गिराने नहीं अपना भरोसा बचाने आए हैं। सरकार अपनी नीयत ठीक करें, अपनी अकड़ का इलाज करें। वादों पर अमल करें।
- आपके शासन में हमने बड़ी-बड़ी चोरियां देखीं, चुनाव में वोट चोरी, राम मंदिर में चंदा चोरी, किसानों की जमीन चोरी देखी।
- इसके बाद सदन में हंगामा होता है। प्रियंका कहती हैं कि शांति से सुन लीजिए। आप जितनी चोरी की बात करना चाहते हैं, सब कर लीजिएगा।
- सबसे बड़ी चोरी देश के युवाओं के सपनों की चोरी है। स्पीकर सर भाषण खत्म, अब तो मुस्करा लीजिए। रिजिजू बोले- प्रियंका जी ने राहुल जी की स्पीच चुरा ली।

अनुराग ठाकुर बोले- प्रियंका और राहुल दोनों एक जैसे हैं

देश के युवाओं ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव को नकार दिया, इसलिए वे पीएम आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रियंका गांधी गंभीर मुद्दों पर भी लोगों को गुमराह करती हैं और वैज्ञानिक वी. कामाकोट्टी पर उनकी टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। आरएसएस और गौमूत्र पर कांग्रेस के बयान वैज्ञानिक शोध का मजाक उड़ाने वाले हैं।

राहुल बोले- रेपिस्ट का बचाव करने वाले शख्स को शिक्षा मंत्री बनाया

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा- देश के शिक्षा मंत्री के तौर पर BJP ने ऐसे व्यक्ति को चुना है जो बलात्कारियों का बचाव करता है। जो व्यक्ति यह कहे कि बलात्कारियों को सुरक्षा की जरूरत है। यह बहुत ही खराब बात है। आज देश के शिक्षा मंत्री वही हैं। पीएम का यह रवैया अजीब है, उनकी कैबिनेट में इतने सारे लोग हैं, वे उनमें से किसी को भी चुन सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना जो बलात्कारियों को बचाता है। वाकई हैरान करने वाली बात है।

लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर बने तरुण गाबा

एडीजी सुरक्षा से मिली नई जिम्मेदारी, अमरेंद्र के. सेंगर बने डीजी अभिसूचना

फेरबदल

तमसा संकेत, एजेंसी

तरुण गाबा, लखनऊ पुलिस कमिश्नर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को 15 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए। इस फेरबदल में 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। वह अभी तक पुलिस मुख्यालय में एडीजी (सुरक्षा) के पद पर तैनात थे। वहीं, मौजूदा पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र के. सेंगर का प्रमोशन कर उन्हें डीजी (अभिसूचना) बनाया गया है। साथ ही उन्हें डीजी (सुरक्षा) का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। साल 2020 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से उत्तर प्रदेश लौटने के बाद तरुण गाबा को पहले आईजी विजिलेंस बनाया गया। इसके बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल किया और उन्हें गृह सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस दौरान उन्होंने गृह विभाग में कई अहम फैसलों के क्रियान्वयन में भूमिका निभाई। तरुण गाबा पहले भी लखनऊ में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। जून 2024 में उन्हें प्रयागराज कुंभ मेले की तैयारियों के लिए तैनात किया गया था।

फास्ट न्यूज

पति-पत्नी घर और बच्चे का खर्च मिलकर उठाएं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि अगर दोनों पार्टनर कमा रहे हैं, तो घर और बच्चे की पढ़ाई का खर्च दोनों को उठाना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस याचिका पर की, जिसमें एक पति ने पत्नी और नाबालिग बेटे के लिए तय मासिक गुजारा भत्ता कम करने की मांग की थी। जस्टिस एम एम सथाये की सिंगल बेंच ने पिछले हफ्ते यह आदेश दिया।

डिजिटल अरेस्ट को अलग अपराध बनाने पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह डिजिटल अरेस्ट को आपराधिक कानून में औपचारिक रूप से परिभाषित करने और इसे कठोर सजा के साथ अलग अपराध घोषित करने पर विचार करे। डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का एक बढ़ता हुआ रूप है, जिसमें जालसाज कानून लागू करने वाले अधिकारियों, अदालती कर्मचारियों या सरकारी एजेंसियों के कर्मियों के रूप में पेश होकर ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिए पीड़ितों को डराते हैं। वे पीड़ितों को बंधक बनाकर पैसे देने का दबाव बनाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से पैलेट गन पर बैन की मांग

नई दिल्ली। पूर्व IPS अधिकारी यशोवर्धन आजाद और दो अन्य लोगों ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। इनका दावा है कि दिल्ली में 20 जुलाई को 'संसद चलो' मार्च के दौरान वे पैलेट गन से घायल हो गए थे। इनमें याचिकाकर्ता यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार और शेख इरशाद मंसूरी शामिल हैं।

एनसीपी के दोनों गुट साथ नहीं आएंगे : शरद पवार

एक दिन पहले बेटी सुप्रिया शाह से मिली, एनडीए में शामिल होने की चर्चा थी

सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुटों के फिर से साथ आने का कोई सवाल ही नहीं है। पवार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले NCP (शरद गुट) की सांसद सुप्रिया सुले और सांसद बजरंग सोनवणे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। यह मुलाकात सुप्रिया सुले की बेटी की शादी के रिसेप्शन का निमंत्रण देने के लिए हुई थी। इसके बाद चर्चा तेज हो गई कि शरद पवार गुट भाजपा के नेतृत्व वाले NDA में शामिल हो सकता है। इससे पहले ये भी खबर आई थी कि भाजपा आलाकमान चाहता है कि दोनों NCP साथ आकर एनडीए का हिस्सा बने। इससे पहले 22 जुलाई को सुप्रिया सुले और शरद पवार पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। बैठक को लेकर शरद पवार ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट में कहा- NEET परीक्षा के पेपर लीक, इसके खिलाफ छात्रों के आंदोलन, आंदोलन के दौरान पुलिस के गलत व्यवहार और छात्रों पर दर्ज आपराधिक मामलों समेत कृषि क्षेत्र से जुड़े कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विस्तार से चर्चा हुई।

वकीलों को कैशलेस इलाज देगी सरकार

गोरखपुर में योगी ने बार एसोसिएशन से कहा- आप लोग प्रस्ताव बनाइए

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। यूपी सरकार वकीलों का कैशलेस इलाज कराएगी। मंगलवार को सीएम योगी ने खुद इस बात के संकेत दिए। सीएम ने वकीलों से कहा- बार एसोसिएशन के साथ आप सब लोग मिलकर तय करें। हम कैशलेस और अन्य सुविधा देने को तैयार हैं। योगी दोपहर करीब 2 बजे गोरखपुर में सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। अगर सरकार इसे अमल में लाती है तो यूपी के करीब 5 लाख रजिस्टर्ड वकील हैं, जिन्हें कैशलेस इलाज की सुविधा मिल सकेगी। रवि किशन बोले- पेपर लीक पर सख्त कानून लाए, दोषियों को 10 साल तक की सजा होगी भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी की 4 बड़ी बातें...

- हमने अधिवक्ता कल्याण निधि बढ़ाई: पहले अधिवक्ता कल्याण निधि में डेढ़ लाख मिलते थे। इसे हमने 5 लाख किया। हम लोगों ने इसके कार्पस फंड को 500 करोड़ का बना दिया है। इसके ब्याज से ही काम चलेगा। 4 हजार अधिवक्ताओं के परिवारजनों को 200 करोड़ की धनराशि उपलब्ध करा चुके हैं। पहले आर्थिक सहायता 60 साल तक ही मिलती थी, अब 70 साल का होने पर भी उसके परिवार को दिया जाता है। अधिवक्ताओं के के लिए अधिवक्ता भवन, चैंबर बनाने के लिए धनराशि उपलब्ध करवाई गई है।
- सोशल मीडिया से षडयंत्र होंगे: सोशल मीडिया के जरिए भारत के खिलाफ षडयंत्र होंगे। क्षेत्र, भाषा के जरिए विवाद पैदा करने का प्रयास होगा, जो भारत को कमजोर करेगा। कोई न्यायपालिका पर उंगली उठाएगा, कोई विधायिका पर उंगली उठाएगा और कोई कार्यपालिका पर उंगली उठाएगा। इसलिए अधिवक्ता समाज की जिम्मेदारी बढ़ेगी।
- यूपी के लोगों को शक की निगाह से देखते थे: आज यूपी के बारे में हर व्यक्ति अच्छा बोल रहा है। 2017 के पहले यूपी के लोगों को शक और संदेह की निगाह से देखते थे। लोग मिलने में 10 कदम की दूरी बनाते थे। आज देश में कहीं जाएंगे और यूपी का परिचय देंगे तो 10 कदम पास आकर गले लगना चाहेगा। यह परिवर्तन हुआ है।
- अब ब्रह्मोस मिसाइल बन रही: पहले कट्टा और बम बनते थे, वहां अब ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। जिस राज्य में पहले बेरोजगारी और पलायन एक चैलेंज था। देश में अब वह सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य है। इसके लिए नए स्रोतों को ढूंढा गया, वैसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया।

आंदोलन : छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें : सुप्रीम कोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है।

>> (शेष पेज 06

सुप्रीम कोर्ट के 4 अंतरिम आदेश

- 18 साल से कम उम्र के जिन प्रदर्शनकारियों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।
- पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होगी, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों की जवाबदेही तय होगी।
- प्रदर्शन से जुड़े CCTV, ड्रोन, बॉडी कैमरा और दूसरे डिजिटल सबूत सुरक्षित रखे जाएं।
- दिल्ली समेत 8 राज्यों से जवाब मांगा गया, जिन लोगों पर पहले कोई केस नहीं था, उनके खिलाफ फिलहाल कोई सख्त कार्रवाई नहीं होगी।

सीजेपी प्रोटेस्ट में खाना खिलाने वाले जुनैद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

बोले- पुलिस ने 6 घंटे हिरासत में रखा, परिवार को परेशान कर रही

- नेहा बोरा की भूख हड़ताल खत्म होने के बाद जुनैद मलिक ने उन्हें पेपर बोट ड्रिंक पिलाई थी।
- जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और सोनम वांगचुक ने जुनैद मलिक से मुलाकात की थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। CJP के जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों को खाना खिलाने वाले वालंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर करीब 6 घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून रोड़ पर सुनसान जगह पर छोड़ दिया। जुनैद का कहना है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए परेशान किया। याचिका के मुताबिक, 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लगवाकर आरएमएल अस्पताल से लौट रहे थे। तभी पुलिस ने उसे उठा लिया और उनका मोबाइल फोन जबरन लेकर अनलॉक कराया गया और उसकी जांच की गई।

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री थे, खुदकुशी या हादसा, लखनऊ पुलिस जांच कर रही

पूर्व मंत्री विधायक आवास की 7वीं मंजिल से गिरे, मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में नए विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिरकर पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पूर्व मंत्री ने खुदकुशी की या हादसा हुआ, पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अभी किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। मौके से मिले साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर घटना के कारण पता किए जा रहे हैं। नानकदीन भुर्जी का जन्म 1 जुलाई, 1970 को हुआ था। उन्होंने 11 सितंबर, 1988 को इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने के बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की। लंबे समय से वह भाजपा में पिछड़ा वर्ग राजनीति का सक्रिय चेहरा थे।

नानकदीन भुर्जी भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री थे। उनकी अक्सर डिप्टी सीएम केशव मौर्य से मुलाकात होती रहती थी।

56 साल के नानकदीन भाजपा के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री थे। उन्होंने हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा नाम का संगठन भी बनाया था, जिसके वह राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। मामला मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे हजरतगंज थाना क्षेत्र का है।

पुलिस बोली- डिप्रेशन में थे नानकदीन

लखनऊ पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को दारुलशफा के नए विधायक आवास के व्यवस्था अधिकारी ने नानकदीन के गिरने की सूचना चौकी प्रभारी को दी। इस पर चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल नानकदीन को सिविल अस्पताल भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि नानकदीन पिछले काफी समय से अवसाद (डिप्रेशन) से पीड़ित थे। उन्हें अक्सर नए विधायक निवास परिसर में घूमते हुए देखा जाता था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

नानकदीन भुर्जी को लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) का सदस्य नामित किया गया। बसपा सरकार में (दिसंबर 2006) उन्हें राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त) बनाया गया। साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण संगठन के साथ सरकार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

साल- 2004 में

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बोले- हम कार्यालय में थे

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा- हम लोग प्रदेश कार्यालय में मौजूद थे। तभी सूचना मिली कि पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी नए विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिर गए हैं। हम लोग तुरंत वहां जाने के लिए निकले। लेकिन, रास्ते में ही पता चला कि उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि उनका निधन हो चुका है। नानकदीन भुर्जी 7वीं मंजिल से कैसे गिरे और किन परिस्थितियों में यह घटना हुई, इस बारे में कोई कुछ पता नहीं है। नानकदीन भुर्जी लखनऊ के मदेयगंज (खदरा) के रहने वाले थे। घर में पत्नी मंजू देवी, 2 बेटे उत्तम, शनि और एक बेटी है। तीनों बच्चों की अभी शादी नहीं हुई है।

विभाग का सलाहकार नियुक्त किया गया। एक फेसबुक पोस्ट में नानकदीन ने लिखा था- मेरे घर की हालत बहुत नाजुक थी। साल- 1988 से लेकर 2025 तक मैंने भुर्जी जाति के कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया।

यूपी में 2982 टीजीटी शिक्षकों का अंतिम चयन परिणाम घोषित

14 विषयों का रिजल्ट जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती विज्ञापन संख्या-01/2022 के तहत 14 विषयों के कुल 2,982 पदों का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परिणाम पूरी पारदर्शिता और नियमबद्ध प्रक्रिया के तहत जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि 15 विषयों के कुल 3,539 पदों के लिए लिखित परीक्षा 3 और 4 जून 2026 को आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा परिणाम के आधार पर 30 जून 2026 को डेढ़ गुना अभ्यर्थियों को अभिलेख परीक्षण के लिए सफल घोषित किया गया था। अब उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड नियमावली-1998 के नियम 12(8) के तहत 14 विषयों का अंतिम चयन परिणाम घोषित किया

गया है। इनमें हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू, शारीरिक शिक्षा, कृषि, संगीत गायन, संगीत वादन, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, संस्कृत, वाणिज्य एवं कला विषय शामिल हैं। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://upesc.up.gov.in/ पर अपना परिणाम, विषयवार-श्रेणीवार कट-ऑफ और प्राप्तांक देख सकते हैं। अभ्यर्थी अनुक्रमांक और जन्मतिथि डालकर एक सप्ताह तक अपने अंक देख सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियों का संस्था आवंटन नियमावली के नियम 12(10) के तहत अधिमानता क्रम के आधार पर किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

कंगना का जलता पुतला छीनकर भागे इंस्पेक्टर

लखनऊ । मंगलवार को कांग्रेस ने भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनोट के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। शाम करीब 6:15 बजे कांग्रेसी पार्टी कार्यालय से कंगना रनोट के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़े। पुलिस ने उन्हें करीब 50 मीटर की दूरी पर बैरिकेडिंग करके रोक लिया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कंगना का पुतला फूंक दिया। इस पर पुलिस से उनकी धक्का-मुक्की होने लगी।

केशव प्रसाद मौर्य ने गुरु पूर्णिमा पर देश व प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरु पूर्णिमा के पावन व पुनीत अवसर पर देश व प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह विशेष दिन हमारे जीवन को प्रेरित करने, मार्गदर्शन करने और ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले सभी सम्मानित गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। यह पर्व हमारे जीवन को सार्थक बनाने और सही राह दिखाने वाले गुरुओं के प्रति सम्मान प्रकट करने का दिन है।

25 वर्षों से बंद पड़े देश के शुरुआती ऑफ ग्रिड सोलर प्लांट को मिलेगा नया जीवन

तमसा संकेत, संवाददाता

स्व. कल्पनाथ राय की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को देंगे नई पहचान, नामकरण एवं प्रतिमा स्थापना का भी प्रस्तावःमंत्री ए के शर्मा

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय कल्पनाथ राय की पुण्यतिथि के अवसर पर उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने उनके योगदान को स्थायी सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्री श्री शर्मा के प्रयासों से वर्ष 1992 में मऊ जनपद के सरायसादी, घोसी में स्थापित देश के शुरुआती 100 किलोवाट ऑफग्रिड सोलर प्लांट को नई पहचान देने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। प्रस्तावित योजना के अंतर्गत इस ऐतिहासिक सोलर प्लांट का नामकरण स्व. कल्पनाथ राय के नाम पर किए जाने तथा परिसर में उनकी स्मृति में प्रतिमा स्थापित किए जाने की पहल की जा रही है, ताकि ऊर्जा क्षेत्र में उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियां भी स्मरण कर सकें। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के प्रयासों से लगभग 25 वर्षों से बंद पड़े इस सोलर प्लांट के पुनर्जीवन एवं आधुनिकीकरण की भी शुरुआत की जा रही है। प्रस्ताव है कि जर्जर हो चुके इस संयंत्र को आधुनिक तकनीक से विकसित कर इसकी क्षमता को लगभग 50 गुना बढ़ाते हुए 5 मेगावाट किया जाएगा और इसे एक अत्याधुनिक 'सौर ऊर्जा पार्क' के रूप में विकसित किया जाएगा।

मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन तथा नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय और क्रांतिकारी उपलब्धियां हासिल की है।

खराब सड़कों की तत्काल मरम्मत, जलभराव रोकने और स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

'बरसात और कांवड़ यात्रा की तैयारियों में कोई कमी न रहे'

- **विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं, समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करें अधिकारी : ए.के. शर्मा**
- **जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित करें, जनप्रतिनिधियों की शिकायतों का प्राथमिकता पर करें निस्तारण**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद प्रभारी मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर बरसात, श्रावण मास में प्रस्तावित कांवड़ यात्रा तथा विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मंत्री श्री शर्मा ने लोक निर्माण विभाग को वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने तथा जल निगम को पाइपलाइन कार्यों के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निकायों को जलभराव रोकने, नालों-नालियों की नियमित सफाई तथा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक

कांवड़ मार्गों पर विद्युत सुरक्षा, पेयजल, प्रकाश एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाए, जिन पर मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

स्वच्छता अभियान, फॉगिंग एवं एंटी-लार्वा छिड़काव प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री शर्मा ने कांवड़ मार्गों पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। ऊर्जा विभाग को निर्देशित किया कि सभी कांवड़ मार्गों पर विद्युत लाइनों एवं पोलों का निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल पूरे किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। उन्होंने किसानों को निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार से किसानों की आय, रोजगार और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा निवेश

युवाओं एवं महिला उद्यमियों का बढ़ रुझान : केशव प्रसाद

- **उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत रू15.08 करोड़ के 8 नए निवेश प्रस्तावों को अप्रेजल समिति की संस्तुति**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने, कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने, किसानों की आय में वृद्धि तथा व्यापक रोजगार सृजन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नीति के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं। निवेश प्रस्तावों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के प्रति निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश, औद्योगिक विकास, कृषि मूल्य संवर्धन, रोजगार सृजन तथा किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को नई गति मिलेगी और उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी खाद्य प्रसंस्करण राज्यों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत उत्साहजनक है कि प्रदेश के नवयुवकों का रुझान पारम्परिक एवं पुश्तैनी व्यवसायों से आगे बढ़कर आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की ओर बढ़ रहा है। साथ ही महिला उद्यमी भी इस क्षेत्र में बढ़-चढ़कर निवेश कर रही हैं, जो प्रदेश में उद्यमिता एवं महिला सशक्तिकरण के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए सुरक्षित, अनुकूल एवं आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

8 नवीन निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को गोमतीनगर स्थित रेशम निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त रू 15.08 करोड़ की कुल प्रस्तावित निवेश राशि वाले 8 नवीन निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण के उपरांत सभी प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की संस्तुति की गई।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि संबंधित निवेशक निर्धारित समयावधि के भीतर बैंक अप्रेजल, आयकर एवं जीएसटी रिटर्न सहित सभी आवश्यक अभिलेख विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि प्रस्तावों का आगामी स्तर पर समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

नए संग्रहालयों की स्थापना की जा रही : जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

- **प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए 07 संग्रहालय निर्माणाधीन**
  -जयवीर सिंह

लखनऊ। प्रदेश में निर्माणाधीन संग्रहालय परियोजना के तहत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नए संग्रहालयों की स्थापना की जा रही है। यह पहल प्रदेश की समृद्ध विरासत को संरक्षित की जाएगी। साथ ही पर्यटकों को शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। संस्कृति विभाग उ0प्र0 द्वारा 07 प्रमुख संग्रहालय निर्माणाधीन है। इनमें गोरखपुर, बाराबंकी, वाराणसी, कौशांबी एवं सुल्तानपुर, अयोध्या, लखनऊ तथा बिजनौर के संग्रहालय शामिल है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने मंगलवार को बताया कि गोरखपुर में गोरखा संग्रहालय, गोरखा रेजीमेंट के शौर्य बलिदान एवं सैन्य इतिहास पर केंद्रित ऐतिहासिक दस्तावजे, सैन्य उपकरण और गोरखा योद्धाओं की वीर गाथाएं संग्रहीत की जाएगी। इसी प्रकार पद्म श्री बाबू केडी सिंह की स्मृति में बाराबंकी में संग्रहालय का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा संत रविदास संग्रहालय एवं सांस्कृतिक केन्द्र वाराणसी में निर्माणाधीन है, जिसमें संत रविदास के जीवन, उपदेशों और भक्ति आंदोलन में उनके योगदान को समर्पित होगा।

उन्होंने बताया कि जिला संग्रहालय कौशांबी एवं सुल्तानपुर का भी निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें कौशांबी और सुल्तानपुर के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व पर केंद्रित प्राचीन काल से लेकर आधुनिक इतिहास से जुड़े दस्तावेज प्रदर्शित किए जाएंगे।

450 करोड़ के बैंक फ्रॉड में ईडी का एक्शन

लखनऊ । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ आंचलिक कार्यालय ने करीब 450 करोड़ रुपए के बैंक ऋण घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मेसर्स संतोष ओवरसीज लिमिटेड (SOL), उसके प्रमोटरों, निदेशकों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में स्थित 10 परिसरों पर एक साथ छापेमारी की।

चर्चा : मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में बुनकर प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

योगी सरकार बुनकरों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध

- **20 किलोवॉट तक योजना के विस्तार, बिजली दरों में राहत और पुराने बकाया बिलों के समाधान पर हुई चर्चा**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के बुनकरों के हितों के संरक्षण, उनकी समस्याओं के समाधान तथा हथकरघा एवं पावरलूम उद्योग को नई मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, खादी भवन, डालीबाग, लखनऊ के सभाकक्ष में प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में हथकरघा विभाग की अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजना के संबंध में प्रदेश के बुनकर प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी भी उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए बुनकर प्रतिनिधियों ने विद्युत दरों, फ्लैट रेट योजना, विद्युत बिलों में विसंगतियों, बकाया राशि, सब्सिडी, लोड वृद्धि, मीटरिंग तथा नए विद्युत कनेक्शन से संबंधित समस्याओं और सुझावों को विस्तार से रखा। बैठक में बुनकरों के हित में संचालित अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजना के दायरे को वर्तमान 0 से 5 किलोवॉट से बढ़ाकर 0 से 20 किलोवॉट तक किए जाने के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि 0 से 5 किलोवॉट श्रेणी के बुनकरों के लिए वर्तमान व्यवस्था में किसी प्रकार का प्रतिकूल परिवर्तन नहीं किया जाएगा। प्रस्तावित विस्तार से 5 से 20 किलोवॉट क्षमता वाले पावरलूम बुनकरों को भी योजना का लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विद्युत फ्लैट रेट योजना में सुधार पर गंभीरता से हो रहा विचार

योजना का 20 किलोवॉट तक विस्तार स्वागतयोग्य

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में लगभग 95 हजार से अधिक विद्युत कनेक्शन 0 से 5 किलोवॉट श्रेणी में हैं, जो कुल पावरलूम कनेक्शनों का लगभग 94 प्रतिशत हैं। बुनकर प्रतिनिधियों ने छोटे बुनकरों के हितों को प्राथमिकता देने, उन्हें बड़े बुनकरों से अलग श्रेणी में रखने तथा विद्युत दरों में और अधिक राहत प्रदान करने की मांग रखी। प्रतिनिधियों ने कहा कि योजना का 20 किलोवॉट तक विस्तार स्वागतयोग्य है।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तैयार करेंगी दो करोड़ तिरंगे

हर घर तक पहुंचेगा राष्ट्रगौरव और महिलाओं को मिलेगा आजीविका का नया संबल

तमसा संकेत, संवाददाता

- **उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हाथों बनेगा तिरंगा**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) द्वारा हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत प्रदेश के 75 जनपदों को कुल 2 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महाअभियान में मिशन से जुड़े 50,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगों का निर्माण करेंगी। इससे ग्रामीण महिलाओं को अतिरिक्त आजीविका एवं आय का अवसर प्राप्त होगा, वहीं प्रदेश के प्रत्येक घर तक राष्ट्रध्वज पहुंचाने के राष्ट्रीय अभियान को भी नई गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, स्थानीय रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। तिरंगा निर्माण के माध्यम से हजारों ग्रामीण महिलाओं को सम्मानजनक आय का अवसर मिलेगा तथा वे राष्ट्र निर्माण के इस महाअभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगी।

उप मुख्यमंत्री के निर्देशो के क्रम में सभी जनपदों को निर्देशित किया गया है कि अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाया जा सके और प्रदेश के प्रत्येक घर तक राष्ट्रध्वज सम्मानपूर्वक पहुंचाया जा सके।

मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार ने सभी जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों एवं जिला मिशन प्रबंधन इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि जनपदवार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से समयबद्ध एवं गुणवत्ता-पूर्ण तिरंगा निर्माण सुनिश्चित किया जाए। उत्पादन, गुणवत्ता, आपूर्ति एवं भुगतान की नियमित समीक्षा करते हुए अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में तैयार किए गए तिरंगे संबंधित सरकारी विभागों, सरकारी संस्थानों, स्थानीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

कांवड़ मार्ग पर कड़ी निगरानी, ढाबों पर ज्यादा वसूली और घटिया भोजन पर होगी कार्रवाई

सावन से पहले फूड विभाग अलर्ट

अलर्ट

- सावन शुरू होने से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अलर्ट हो गया है।
- सावन शुरू होने से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अलर्ट हो गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। सावन माह में लाखों श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों के आगमन को देखते हुए बाराबंकी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। जिले के प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम, अवसानेश्वर महादेव मंदिर और अन्य प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना

को देखते हुए कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है। विभाग ने होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है। विभाग ने सभी खाद्य प्रतिष्ठानों को 'ग्राहक संतुष्टि फीडबैक' साइनेज अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए हैं। इस साइनेज पर दुकान का नाम, फूड लाइसेंस नंबर, संचालक का विवरण, रेट लिस्ट तथा फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप का क्यूआर कोड प्रदर्शित करना होगा। श्रद्धालु क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और दुकानदार के व्यवहार को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कर सकेंगे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कहा है कि यदि किसी होटल, ढाबे या रेस्टोरेंट के खिलाफ लगातार खराब फीडबैक प्राप्त होता है तो तत्काल निरीक्षण कराया जाएगा।

जांच में अनियमितता मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का उद्देश्य सावन के दौरान आने वाले लाखों कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ, शुद्ध और निर्धारित कीमत पर भोजन उपलब्ध कराना है।

तीन विशेष टीमों को सौंपी गई जिम्मेदारी

सहायक आयुक्त (खाद्य)-II शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के तीन विशेष दल गठित किए गए हैं। पहला दल लोधेश्वर महादेव धाम जाने वाले मार्ग और मंदिर परिसर के आसपास स्थित होटल, ढाबों और दुकानों का निरीक्षण कर रहा है। दूसरा दल अयोध्या-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच में जुटा है, जबकि तीसरा दल हैदरगढ़ स्थित अवसानेश्वर महादेव मंदिर मार्ग पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता का निरीक्षण कर रहा है।

खुले में मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर रोक

श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और कांवड़ यात्रा की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्गों पर खुले में मांस, मछली और अंडे की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। विभाग ने सभी संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर रेट लिस्ट और खाद्य लाइसेंस प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करें तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करें।

ओवरचार्जिंग और खराब भोजन पर होगी सख्त कार्रवाई

खाद्य विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि श्रद्धालुओं से निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने या खराब एवं अस्वच्छ भोजन परोसने वाले होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, लाइसेंस और निर्धारित मानकों का विशेष रूप से परीक्षण किया जा रहा है।

28 लाभार्थी ई-लॉटरी से चुने गए

दो गायों पर 80 हजार तक का अनुदान मिलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के तहत 28 लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। यह चयन प्रक्रिया मंगलवार 3:30 बजे को डीआरडीए सभागार में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) राजकुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। डीएम ईशान प्रताप सिंह के निर्देश पर यह कार्यवाही की गई। योजना के लिए जनपद से कुल 320 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। सत्यापन के बाद 304 आवेदक पात्र पाए गए, जिनमें 101 महिलाएं और 203 पुरुष शामिल थे। ई-लॉटरी के माध्यम से 14 महिला और 14 पुरुष, कुल 28 लाभार्थियों को चुना गया। यह चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी की उपस्थिति में डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक के दौरान पूरी की गई। इस बैठक में 73 आवेदक मौजूद रहे। चयनित लाभार्थियों को उत्तर प्रदेश के बाहर से भारतीय नस्ल की दो गायें खरीदनी होंगी। इनमें गिर, साहीवाल, हरियाणा या थारपारकर नस्लें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दोनों गायों का बीमा कराना और इयर टैगिंग कराना भी अनिवार्य होगा। योजना के लिए कुल 320 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे, लॉटरी के दौरान लाभार्थी मौजूद रहे। योजना के लिए कुल 320 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे, लॉटरी के दौरान लाभार्थी मौजूद रहे। सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार प्रति गाय अधिकतम 40,000 का अनुदान देगी। दो गायों की एक इकाई पर कुल 80,000 तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। नोडल अधिकारी पीके वर्मा ने बताया कि ई-लॉटरी से चयनित सभी लाभार्थियों को चयन पत्र मिलने के दो माह के भीतर बाहरी प्रदेश से दो गोवंश खरीदना अनिवार्य है। यदि वे इस निर्धारित अवधि में गोवंश नहीं खरीदते हैं, तो उनका चयन स्वतः निरस्त कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में प्रतीक्षा सूची में शामिल लाभार्थियों को योजना का लाभ लेने का अवसर मिलेगा।

फास्ट न्यूज

युवक की बस में संदिग्ध हालत में मौत

उन्नाव। उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र के जहीन नगर गांव निवासी एक युवक की लुधियाना जा रही बस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव बस के अंदर मिला, जिसके बाद पंजाब पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई कर शव को उन्नाव भेज दिया। मंगलवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बिजली उपभोक्ताओं को अगस्त में भी राहत

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं को लगातार दूसरे महीने बिजली बिल में राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने अगस्त महीने के लिए ईंधन एवं बिजली खरीद लागत समायोजन (एफपीपीसीए) में 2.92 प्रतिशत की कमी का आदेश जारी किया है। इससे अगस्त के बिजली बिलों में उपभोक्ताओं को सीधे राहत मिलेगी। अनुमान है कि इस फैसले से प्रदेश के उपभोक्ताओं को करीब 221 करोड़ रुपए का लाभ होगा। इससे पहले जुलाई माह में भी यूपीपीसीएल ने एफपीपीसीए के तहत 4.43 प्रतिशत की राहत दी थी।

प्लास्टिक गोदाम में करंट लगने से युवक की मौत

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित नासिरखेड़ा गांव के पास एक प्लास्टिक गोदाम में काम करते समय एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कानपुर नगर के लक्ष्मीपुरवा मोहल्ला, थाना रायपुरवा निवासी अभिषेक राजपूत (20) पुत्र स्वर्गीय संतोष के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अभिषेक नासिरखेड़ा गांव स्थित सागर के प्लास्टिक गोदाम में मजदूरी करता था।

डीएम ने कौशल विकास योजनाओं की समीक्षा की

उन्नाव में बोले प्रशिक्षण के बाद युवाओं में बदलाव दिखना चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिला कौशल समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने जनपद में संचालित विभिन्न कौशल विकास योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों और प्रशिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए कि युवाओं को केवल औपचारिक प्रशिक्षण देने के बजाय गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर

प्रदान करना है। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों से प्रत्येक विषय में दिए जा रहे प्रशिक्षण, प्रशिक्षित युवाओं की संख्या और प्रशिक्षण के बाद हुए रोजगार या प्लेसमेंट के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जोर दिया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य तभी सफल माना जाएगा, जब इसका सकारात्मक प्रभाव जमीन पर दिखे और प्रशिक्षित युवाओं के कौशल एवं व्यक्तित्व में स्पष्ट सुधार नजर आए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों और प्रशिक्षण एजेंसियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्थानीय उद्योगों और बाजार की जरूरतों के अनुरूप संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को ऐसे कौशल से जोड़ना आवश्यक है, जिनकी रोजगार बाजार में अधिक मांग हो, ताकि उन्हें नौकरी और स्वरोजगार स्थापित करने में मदद मिल सके। मीना ने प्रशिक्षण के दौरान प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) शिक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल सैद्धांतिक जानकारी पर्याप्त नहीं है।

कांवड़ यात्रा पर खाद्य विभाग सख्त

उन्नाव में 200 से अधिक होटल-रेस्टोरेंट की होगी जांच, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने व्यापक जांच अभियान शुरू किया है। विभाग ने एक महीने का रोडमैप तैयार किया है, जिसके तहत लगातार निरीक्षण किए जाएंगे। इस अभियान के तहत जिले भर में 200 से अधिक होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की जाएगी। हाईवे और प्रमुख मार्गों पर स्थित प्रतिष्ठानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएस-एस एक्ट) के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की सहायक

आयुक्त (खाद्य) प्रियंका ने बताया कि कांवड़ यात्रा को देखते हुए विभाग ने अलग-अलग टीमें गठित की हैं। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी कांवड़ यात्री या उपभोक्ता को अशुद्ध अथवा असुरक्षित खाद्य पदार्थ न मिलें। यदि निरीक्षण या शिकायत के आधार पर यह पाया गया कि दोनों प्रकार के भोजन एक ही बर्तन या एक ही व्यवस्था में तैयार किए जा रहे हैं, तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में हुए निरीक्षण के दौरान जनता ढाबा में कई कमियां पाई गई थीं। इन कमियों के आधार पर संचालक को नोटिस जारी करते हुए प्रतिष्ठान को अग्रिम आदेश तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

टोल-फ्री नंबर भी चस्पा कराया जा रहा

निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों पर विभाग का टोल-फ्री नंबर भी चस्पा कराया जा रहा है। इससे उपभोक्ता सीधे विभाग तक अपनी शिकायतें पहुंचा सकेंगे। शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रियंका ने स्पष्ट किया कि जिन होटलों और ढाबों में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार का भोजन परोसा जाता है, उन्हें एफएसएसएआई के सभी नियमों का पालन करना होगा। इसके तहत वेज और नॉन-वेज भोजन के लिए अलग रसोई, अलग बर्तन और अलग-अलग व्यवस्था अनिवार्य है।

सीडीओ नेहा व्याडवाल ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

आयुष विभाग की समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई कलेक्ट्रेट स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नेहा व्याडवाल की अध्यक्षता में आयुष विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी आयुष चिकित्सालयों की कार्यप्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम जनता को समय पर गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। नेहा व्याडवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय एवं अस्पताल परिसरों में औषधि वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन से लोगों को आयुष चिकित्सा के प्रति जागरूक किया जा सकता है और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

लंबित मामलों का जल्द निस्तारण करने पर दिया जोर

सीडीओ ने समीक्षा के दौरान विभागीय योजनाओं के लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने लक्ष्यों को पूरा करें तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करने और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी आशा रावत सहित आयुष विभाग के चिकित्साधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी। बैठक के अंत में सीडीओ ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने और जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया।

नियमित चिकित्सा सेवाएं और दवाओं की उपलब्धता पर जोर

सीडीओ ने सभी आयुष अस्पतालों में नियमित चिकित्सकीय सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और योग से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अस्पतालों में आवश्यक औषधियों की शत-प्रतिशत उपलब्धता बनी रहनी चाहिए, ताकि मरीजों को इलाज के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और योग अभियानों की हुई समीक्षा

बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन, योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों तथा आयुष सेवाओं के प्रचार-प्रसार की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने कहा कि आयुष पद्धति के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लगातार जागरूक किया जाए और सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए।

हरदोई में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

डॉक्टर ने जताई जहर खाने की आशंका, पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र में 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार दोपहर हरदोई मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में डॉक्टरों ने जहर खाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान अतरौली थाना क्षेत्र के बिजौली गांव निवासी फूल कुमारी के रूप में हुई है। उनके पिता श्रीराम ने बताया कि फूल कुमारी की शादी दो वर्ष पहले जुगराजपुर निवासी अजय से हुई थी। परिवार में पति और एक वर्ष की बेटी है। श्रीराम और उनकी पत्नी हीरामणि दिल्ली में काम करते हैं और हाल ही में गांव लौटे थे। तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल

ले गए परिजनों के मुताबिक, सोमवार सुबह फूल कुमारी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें एंबुलेंस से पहले कोथावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हरदोई मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे डॉक्टरों ने फूल कुमारी को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने प्रारंभिक तौर पर जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई है।

गंदे तरीके से बन रहा था खाना, खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मारा छापा

कांवड़ मार्ग पर बिना लाइसेंस चल रहे 2 होटल-ढाबे बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

मऊ। मऊ में मंगलवार शाम 5 बजे खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विभिन्न कांवड़ मार्गों पर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। सहायक आयुक्त मंजूषा सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान बिना वैध खाद्य लाइसेंस संचालित दो प्रतिष्ठानों को तत्काल बंद करा दिया गया। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान विभागीय टीम ने कांवड़ मार्ग पर स्थित मिठाई की दुकानों, राष्ट्रीय राजमार्ग-29 के ढाबों, होटल और रेस्टोरेंट की जांच की। इस दौरान यू.पी. 54

ढाबा और सान्वी रेस्टोरेंट बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों प्रतिष्ठानों पर खाद्य पदार्थ अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार और बेचे जा रहे थे। इसके बाद विभाग ने दोनों का संचालन तत्काल बंद कराते हुए वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को प्रतिष्ठान पर खाद्य लाइसेंस एवं पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राहक संतुष्टि फीडबैक के लिए क्यूआर कोड और टोल फ्री नंबर भी प्रदर्शित करने को कहा गया, ताकि उपभोक्ता ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकें।

निरीक्षण के दौरान होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों को स्वच्छता और हाइजीन के मानकों का पालन करने, कृत्रिम रंगों और खुले मसालों के उपयोग से बचने तथा केवल पैक मसालों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने ताजा भोजन तैयार कर परोसने और पहले से बने भोजन का दोबारा उपयोग न करने की भी हिदायत दी।

विभाग ने कटे हुए और सड़े-गले फलों की बिक्री पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। आमजन से अपील की गई है कि खुले में रखे खाद्य पदार्थ और कटे फल खरीदने से बचें तथा केवल लाइसेंसधारी प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री लें।

सहायक आयुक्त मंजूषा सिंह ने बताया कि श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बक्सर घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए दिए निर्देश

डीएम ने गुरु पूर्णिमा मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मां चंद्रिका देवी धाम बक्सर घाट पर लगने वाले मेले और गंगा स्नान की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के साथ बक्सर घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, शौचालय और महिलाओं के चेंजिंग रूम सहित श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और मां चंद्रिका देवी के

दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी बीघापुर को घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि रात में श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। उन्होंने महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम समय पर तैयार कराने और शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त, घाटों और मेला परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था पर जिलाधिकारी ने गहरे पानी वाले स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालु जोखिम भरे क्षेत्रों में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने पर्याप्त नावों की व्यवस्था करने, प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने और सभी गोताखोरों व संबंधित कर्मियों के संपर्क नंबर उपलब्ध रखने को भी कहा।

निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी बीघापुर, खंड विकास अधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि गुरु पूर्णिमा मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी कर ली जाएंगी।

सम्पादकीय

प्रदर्शन का प्रोटोकॉल

काॅ करोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कोई नई-अनोखी बात नहीं कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन संवैधानिक अधिकार है। इससे सभी परिचित हैं, लेकिन समस्या यह है कि कई बार शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बहाने अराजकता का सहारा लिया जाता है-कभी खुलकर और कभी दबे-छिपे ढंग से। यही सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुआ। सीजेपी के समर्थक जब तक जंतर-मंतर पर बैठे रहे, तब तक कहीं कुछ नहीं हुआ। बात तब बिगड़ी, जब वे बिना अनुमति संसद की ओर कूच करने पर अड़ गए और पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद बैरिकेडिंग तोड़ने और लांघने लगे।

इतना ही नहीं, सीजेपी समर्थकों की भीड़ में शामिल अराजक तत्वों ने पुलिस से धक्का-मुक्की और मारपीट करने के साथ उस पर पथराव भी शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस के पास आंसू गैस के गोले छोड़ने एवं लाठीचार्ज करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रह गया। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि वह भारी भीड़ का अनुमान नहीं लगा सकी और संभवतः उससे निपटने के पर्याप्त प्रबंध भी नहीं कर सकी। इसके ही नतीजे में उसकी ओर से अत्यधिक बल प्रयोग हुआ।

यही बाद में एक मुद्दा बन गया तो इसलिए और भी, क्योंकि कई छात्र-छात्राएं भी उसकी सख्ती की चपेट में आए और रैपिड एक्शन फोर्स की ओर से पैलेट गन का भी इस्तेमाल हुआ। इसके बाद भी इस तथ्य की अनदेखी न की जाए कि संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस की सख्ती पर सवाल उठाए, वहीं पुलिसकर्मियों पर हमले का भी संज्ञान लिया। चूंकि अपने समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्वों के घुस आने की बात सीजेपी के पदाधिकारियों ने खुद भी मानी थी, इसलिए वे यह नहीं कह सकते कि उनका संसद मार्च पूरी तौर पर शांतिपूर्ण था। उनकी ओर से यह अल्टीमेटम देना विचित्र है कि यदि उनके समर्थकों पर एफआइआर दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी का सिलसिला नहीं थमा तो वे फिर से धरने पर बैठ जाएंगे। यदि वे यह चाहते हैं कि पुलिस हिंसा फैलाने वाले तत्वों को भी बख्श दे तो यह अराजकता के खुले समर्थन के अलावा और कुछ नहीं। क्या सरकार ने उनसे यह वादा किया था कि वह अराजक तत्वों के खिलाफ भी कुछ नहीं होने देगी? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करे कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के नाम पर अराजक तत्व बचने न पाएं। सुप्रीम कोर्ट ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का प्रोटोकाल बनाने की जो आवश्यकता जताई, उसकी पूर्ति वह स्वयं ही करे तो बेहतर। उसे यह भी देखना होगा कि इस प्रोटोकाल का पालन भी हो, क्योंकि अब शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान अराजकता का भी परिचय दिया जाने लगा है।

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुनःस्थापित करने का महापर्व

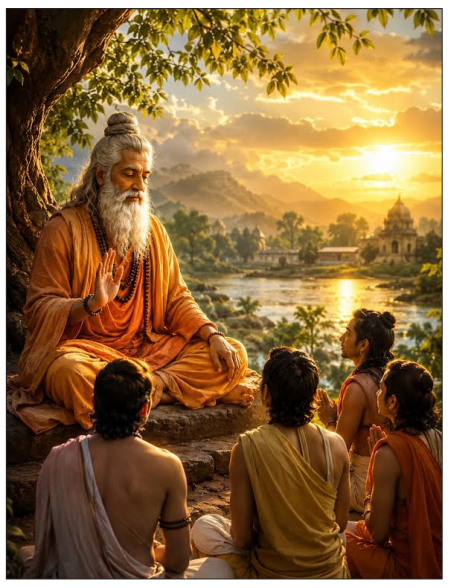

> यदि हम विश्व को अधिक शांतिपूर्ण, मानवीय और संतुलित बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। नई विश्व-व्यवस्था का निर्माण आध्यात्मिक मूल्यों पर ही संभव है।

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है-गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसीलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः'-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया।

भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान-परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन-दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है।

मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश-स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन-दृष्टि से मुझे बार-बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ-प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वर्तमान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णतः व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु-शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार-बार नई दिशा, नई चेतना और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं।

आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और तकनीकी विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन क्या मनुष्य पहले से अधिक शांत, संतुलित और संवेदनशील हुआ है? उत्तर सहज नहीं है। ज्ञान बढ़ा है, परंतु विवेक घटा है। सूचना का विस्फोट हुआ है, लेकिन आत्मबोध का अभाव गहराया है। तकनीक ने गति दी है, पर दिशा देने वाला गुरु दुर्लभ होता जा रहा है। यही आधुनिक समय का सबसे बड़ा संकट है। आज शिक्षा संस्थान डिग्रियां दे रहे हैं, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखा पा रहे। प्रतियोगिता बढ़ रही है, पर सहयोग घट रहा है। सफलता की दौड़ तेज हुई है, पर संतोष पीछे छूट गया है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि जीवन की दिशा सुधारने का राष्ट्रीय और वैश्विक अभियान बनना चाहिए। गुरु का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वह केवल सफलता नहीं सिखाता, सार्थकता सिखाता है। वह केवल लक्ष्य तक पहुँचने की विधि नहीं बताता, बल्कि यह भी बताता है कि लक्ष्य कैसा होना चाहिए। गुरु मनुष्य को बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर की दुनिया को जीतना सिखाता है। आत्मसंयम, विनम्रता, सेवा, करुणा और सत्यनिष्ठा जैसे गुण गुरु के सान्निध्य में ही विकसित होते हैं। भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा के अनुपम उदाहरणों से भरा पड़ा है। श्रीराम ने वशिष्ठ और विश्वामित्र से मर्यादा सीखी। श्रीकृष्ण ने संदीपनि से शिक्षा ग्रहण की और स्वयं अर्जुन के जीवन में गुरु बनकर उसे कर्मयोग का संदेश दिया। भगवान महावीर के गणधर गौतम, भगवान बुद्ध के आनंद और गुरु नानक के उत्तराधिकारी गुरु अंगद इस बात के प्रमाण हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, वह नया व्यक्तित्व गढ़ता है। लेकिन आज गुरु की गरिमा अनेक कारणों से धूमिल हुई है। कुछ कथित गुरुओं ने अध्यात्म को प्रदर्शन, चमत्कार और व्यापार का माध्यम बना दिया है। श्रद्धा का स्थान प्रचार ने ले लिया है। आध्यात्मिकता की जगह बाजारवाद ने प्रवेश कर लिया है। ऐसे वातावरण में विवेकपूर्वक गुरु का चयन अत्यंत आवश्यक है। संतों ने ठीक ही कहा है-'पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।' गुरु वह नहीं जो भीड़ जुटाए, बल्कि वह है जो व्यक्ति के भीतर चरित्र, साहस और आत्मविश्वास का निर्माण करे।

सच्चा गुरु कभी अपने व्यक्तित्व का प्रचार नहीं करता। उसका जीवन ही उसका संदेश होता है। वह अपने अनुयायियों को स्वयं पर आश्रित नहीं बनाता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधभक्ति नहीं, आत्मजागरण सिखाता है। उसका मौन भी शिक्षा होता है और उसका आचरण सबसे बड़ा उपदेश। आज आवश्यकता केवल अच्छे गुरुओं की नहीं, बल्कि अच्छे शिष्यों की भी है।

- ललित गर्ग

कांग्रेस के मीडिया ...

कुमार कृष्णन

बिहार में छात्र आंदोलन, पुलिस कार्रवाई और लोकतांत्रिक असहमति के बदलते मायने

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत केवल चुनाव नहीं होती, बल्कि यह भी होती है कि नागरिक बिना भय के सरकार से सवाल पूछ सकें। विशेष रूप से छात्र आंदोलन किसी भी लोकतांत्रिक समाज की जीवंतता का प्रमाण माने जाते हैं। विश्वविद्यालयों और सड़कों पर उठने वाली आवाजें केवल तत्कालीन मुद्दों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वे भविष्य की राजनीति, नीतियों और सामाजिक चेतना को भी प्रभावित करती हैं। इसलिए जब किसी छात्र आंदोलन का उत्तर व्यापक गिरफ्तारियों, कठोर धाराओं और पुलिस बल से दिया जाता है, तब प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक चरित्र का बन जाता है।

नीट परीक्षा में कथित धांधली, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर बिहार में शुरू हुआ छात्र आंदोलन अब राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बन चुका है। बिहार बंद के दौरान कुछ स्थानों पर हिंसा, पथराव और आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। सरकार और पुलिस का कहना है कि इन्हीं घटनाओं के आधार पर कानून के अनुरूप कार्रवाई की जा रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों, छात्र संगठनों और नागरिक अधिकार समूहों का आरोप है कि हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने के बजाय पूरे आंदोलन को अपराध की तरह देखा जा रहा है। पटना में 22 और 25

जुलाई की घटनाओं के बाद 24 एफआईआर दर्ज की गईं और 258 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 87 छात्रों को आधी रात में न्यायिक पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर बेउर केंद्रीय कारागार भेज दिया गया। बाद में राज्य के अन्य जिलों में भी गिरफ्तारियों का सिलसिला तेज हुआ। छपरा, भागलपुर, सासाराम और अन्य जिलों में भी बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है तथा कानून से ऊपर कोई नहीं है।

लेकिन इस कार्रवाई के तरीके ने बहस को जन्म दिया है। आधी रात को छात्रों को न्यायिक पदाधिकारी के आवास पर प्रस्तुत करना, बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां, सोशल मीडिया पर संदिग्धों की तस्वीरें जारी करना और लगातार छापेमारी—इन सबने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या राज्य आंदोलन को नियंत्रित करने की बजाय उसे अपराधीकरण की दिशा में ले जा रहा है? यही कारण है कि इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तीखी हुई हैं। सांसद पप्पू यादव ने लोकसभा में छात्रों के समर्थन में तख्तियां लेकर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने सवाल उठाया, ₹क्या अपने हक और न्याय के लिए आवाज उठाना कोई गुनाह है?₹ उनका कहना था कि प्रदर्शन करने वाले बच्चों और बेटियों के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। उनके अनुसार लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को पुलिस बल से दबाने का प्रयास भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार का पहला दायित्व परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष बनाना, पेपर लीक रोकना और शिक्षा व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है। यदि इसके बजाय भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों पर मुकदमे दर्ज किए जाएं, लाठीचार्ज हो और उन्हें जेल भेजा जाए, तो यह लोकतंत्र की भावना के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने युवाओं के साथ हो रहे व्यवहार को अमानवीय बताते हुए सरकार से दमन के बजाय संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने भी बिहार में छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विशेष रूप से सीवान में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित गोलीबारी और अत्यधिक बल प्रयोग की निंदा करते हुए कहा कि युवाओं के साथ जिस प्रकार की कार्रवाई की जा रही है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के विरुद्ध अत्यधिक बल प्रयोग किया गया और इस पूरे घटनाक्रम पर केंद्र तथा राज्य सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने गृह मंत्री से संसद में इस मामले पर विस्तृत वक्तव्य देने की मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र में छात्रों की आवाज का उत्तर संवाद से दिया जाना चाहिए, न कि भय और दमन से। कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा पीड़ित छात्रों को न्याय दिलाने की भी मांग की है।

रवि अग्रहरि ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अमेठी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान बना स्वावलंबन का पर्याय

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (एमवाईयूवीए) राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नवोन्मेष तथा स्वावलंबन की नई क्रांति का सूत्रपात कर रही है। प्राकृतिक संसाधनों और वनांचल से समृद्ध जनपद सोनभद्र में यह अभियान युवाओं के सपनों को साकार कर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को एक नई और सकारात्मक दिशा दे रहा है। प्रदेश सरकार का मूल ध्येय राज्य के प्रत्येक युवा को इतना सशक्त, आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है कि वे न केवल अपने रोजगार का सृजन करने में सक्षम हो सकें अपितु रोजगार प्रदाता का स्वाभिमान भी अर्जित कर सकें। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुँचाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से शिक्षित, प्रशिक्षित और प्रतिभावान युवाओं को सूक्ष्म एवं लघु उद्यम स्थापित करने हेतु व्यापक वित्तीय तथा संस्थागत संबल प्रदान किया जा रहा है, जिससे जनपद के युवाओं में एक नया आत्मविश्वास और उद्यमशीलता का जज्बा जागृत हुआ है। जनपद सोनभद्र में जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन एवं सतत अनुश्रवण में इस जनकल्याणकारी योजना का अत्यंत प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। विभागीय स्तर पर आयोजित जागरूकता शिविरों, परामर्श कार्यक्रमों एवं बैंक समन्वय बैठकों के माध्यम से योजना के प्रावधानों, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की सटीक जानकारी दूर-दराज के ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के पात्र युवाओं तक पहुँचाई जा रही है। जनपद सोनभद्र निवासी युवा उद्यमी रवि अग्रहरि की सफलता की गाथा इस बात का जीवंत और सशक्त प्रमाण है कि सुदृढ़ इच्छाशक्ति तथा शासकीय प्रोत्साहन के संयोजन से युवा वर्ग अपने सपनों को साकार करते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था में अमूल्य योगदान दे सकता है। रवि अग्रहरि लंबे समय से स्वरोजगार के बेहतर अवसरों की खोज में प्रयासरत थे। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक जागरूकता शिविर में उन्हें इस युगांतकारी अभियान की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। शिविर में उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी कुशलता और अनुभव के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया और 'हेल्थ नेचुरल थेरेपी सेंटर' की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की। प्रस्ताव के समुचित परीक्षण के उपरांत स्थानीय बैंक शाखा द्वारा रवि अग्रहरि को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण शीघ्रता से स्वीकृत किया गया। जिला प्रशासन द्वारा सुलभ कराई गई इस त्वरित वित्तीय सहायता एवं तकनीकी मार्गदर्शन की बदौलत रवि अग्रहरि ने आवश्यक मशीनरी, आधुनिक उपकरण एवं फर्नीचर क्रय कर अपने सेंटर को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया। उच्च गुणवत्तायुक्त सेवाओं और सामाजिक प्रतिबद्धता के बल पर उनका यह थेरेपी सेंटर अत्यंत कम समय में जनपद सोनभद्र में एक विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित हो गया। वर्तमान में उनके व्यवसाय का निरंतर विस्तार हो रहा है, जिससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी व्यापक और गुणात्मक सुधार आया है।

सृजनशील बनना

हमारे किसी भी रचनात्मक काम की जन्मस्थली कल्पना है। हमारे मन में पहले एक योजना की कल्पना उठती है। वह फिर उसे लिपिबद्ध करने के लिए हमारी कलम चलती है। वह उस पर अच्छी तरह चिन्तन मनन होता है , तब उस कार्य के लिए मानसिकता क्रियान्विति के लिए आगे बढती है। हम इस पृष्ठभूमि को तकनीकी भाषा में सृजनात्मक कल्पनाशीलता कहते हैं । किसी भी कार्य की जन्म स्थली मन की कल्पना होती है।हमारे मन में ना जाने कितनी कल्पनायें बनती है और ख़त्म होती है।वह उन्हीं में से एकाध कल्पना हमारे मन में स्थिर होती है और फिर उसके ऊपर हमारा चिंतन-मंथन चलता है। हम कोई भी नया कार्य को सफलता पाने के लिये उस कल्पना के बारे में दिन रात चिंतन मंथन करते रहें और जंहा कमियां लगे उसे सुधारते रहें । वह धीरे धीरे हमारा वो प्रयास एक सकारात्मक रूप लेकर हमारे सामने प्रस्तुत होता है। यह सही बात हैं कि कुछ सोचेंगे तो तो कुछ नया करेंगे।वह अगर हम सोचेंगे ही नहीं तो क्या करेंगे। वैसे तो हज़ारों उदाहरण हैं पर में एक उदाहरण दे रहा हूं । एक फ़िल्म का लेखक सबसे पहले एक विषय पर फ़िल्म बनाने का चिंतन करता है।वह फिर उस पर कहां -कहां क्या सीन डालने हैं उस पर चिंतन करते करते फिर एक फ़िल्म की कहानी तैयार होती है। सृजनात्मक कल्पनाशीलता के सहारे बड़े से बड़े, छोटे से छोटे सभी काम क्रियान्वित होते हैं। इस तरह की सृजनात्मक कल्पनाशीलता को कर्मशील जीवन का एक अहम पहलू कह सकते हैं। वह इसके बिना प्राप्त सफलता को हम एक इत्तेफाक ही समझते हैं। मैंने कहीं पढ़ा था कि कत्थक सम्राट बिरजू महाराज कहते हैं मैं सोते-जागते, उठते-बैठते सृजनात्मक कल्पनाशीलता में सही से विचरण करता रहता हूं । वह मुझे पता ही नहीं चलता कब कौन सी नई मुद्रा मेरी तैयार हो जाती है।आज मैं जिस जगह पर हूं उसे सकरात्मक कल्पनाशीलता का ही परिणाम कह सकता हूं । वह इसका दूसरा ज्वलन्त उदाहरण गुरुदेव तुलसी का है । उनका सारा जीवन ही सृजनात्मक कर्मशीलता में लगा रहा । हमको बड़े सौभाग्य से मानव का दुर्लभ जीवन मिलता है । मन की गति सबसे तीव्र है। मस्तिष्क मे ही इतनी शक्ति है जो उसे सृजनात्मक मोड़ दे सकता है।

- प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

प्रदेश की सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्ग के निर्माण से सुदृढ़ कनेक्टिविटी की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

किसी भी राज्य के समग्र एवं संतुलित विकास का आधार उसकी सुदृढ़ आधारभूत संरचना होती है तथा सड़क संपर्क इसका सबसे महत्वपूर्ण घटक है। गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित सड़क नेटवर्क न केवल आवागमन को सुगम बनाता है, बल्कि व्यापार, उद्योग, कृषि, पर्यटन, निवेश तथा रोजगार के अवसरों को भी नई गति प्रदान करता है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है। इसी क्रम में सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण एवं आधुनिकीकरण का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। राज्य की सीमाएं नेपाल सहित उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड तथा बिहार जैसे राज्यों से जुड़ी हुई हैं। इन सीमाओं के माध्यम से प्रतिदिन लाखों नागरिकों, व्यापारिक वाहनों एवं पर्यटकों का आवागमन होता है। ऐसे में सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का उच्च गुणवत्ता वाला विकास प्रदेश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ राष्ट्रीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसी को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कुल 158 सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों का चयन पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण के लिए किया गया है। इन मार्गों की कुल लंबाई 2877 कि0मी0 है, जो प्रदेश के दूरस्थ गांवों, सीमावर्ती क्षेत्रों एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों को बेहतर संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश

सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इन मार्गों के विकसित होने से कृषि उत्पादों, औद्योगिक वस्तुओं एवं आवश्यक सेवाओं का परिवहन अधिक तीव्र, सुरक्षित एवं किफायती होगा। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश सरकार द्वारा 4330.35 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस निवेश के अंतर्गत केवल सड़क निर्माण ही नहीं, बल्कि आवश्यकतानुसार पुल एवं पुलियों का निर्माण, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधान, सुदृढ़ तथा दीर्घकालिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है। यह निवेश प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली आधारभूत संरचना विकसित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है। प्रदेश सरकार की इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। चयनित 158 मार्गों में से 126 मार्ग पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि शेष परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सभी कार्यों को निर्धारित गुणवत्ता मानकों एवं समयसीमा के अनुरूप पूर्ण कराने के लिए सतत निगरानी एवं नियमित समीक्षा की जा रही है।

प्रदेश सरकार केवल उत्कृष्ट सड़क नेटवर्क के निर्माण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले प्रत्येक नागरिक एवं पर्यटक को एक सकारात्मक एवं आकर्षक अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य की अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर्राज्यीय सीमाओं पर भव्य स्वागत द्वारों के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत 143 मार्गों पर स्वागत द्वारों का निर्माण कराया जा रहा है, जिस पर लगभग 232.99 करोड़ की लागत व्यय की जा रही है। अब तक 83 स्वागत द्वारों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष पर कार्य प्रगति पर है। इन स्वागत द्वारों की रूपरेखा में आधुनिक स्थापत्य कला के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का समावेश किया गया है। इससे उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले यात्रियों, पर्यटकों एवं निवेशकों पर राज्य की सकारात्मक एवं विकसित छवि का प्रभाव पड़ता है।

सीमावर्ती एवं अंतर्राज्यीय संपर्क मार्गों के विकास से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्राप्त हो रही है। विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा है तथा आयात-निर्यात की प्रक्रिया अधिक सुगम एवं समयबद्ध हुई है। बेहतर सड़क संपर्क से परिवहन लागत में कमी आने के साथ-साथ मालवाहक वाहनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे प्रदेश की औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को भी बल मिला है। प्रदेश सरकार द्वारा विकसित किया जा रहा यह आधुनिक सड़क नेटवर्क पर्यटन क्षेत्र के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। अयोध्या धाम, काशी, मथुरा-वृंदावन सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। पड़ोसी राज्यों से सड़क मार्ग द्वारा आने वाले यात्रियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित संपर्क मार्ग तथा आकर्षक स्वागत द्वार उनके यात्रा अनुभव को और अधिक सहज एवं यादगार बना रहे हैं, जिससे पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को भी निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है।

प्रदेश के अन्तर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में विकसित हो रहा यह सुदृढ़ सड़क नेटवर्क राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बेहतर सड़क संपर्क से सुरक्षा एजेंसियों एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों की त्वरित आवाजाही सुनिश्चित होती है, जिससे किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई संभव हो पाती है।

मां ने तीन साल के बेटे का गला दबाकर की हत्या

एक महीने बाद खुला राज, प्रेमी से बात के दौरान शोर मचाने पर उठाया खौफनाक कदम

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

शक होने पर उन्होंने पत्नी से पूछताछ की, लेकिन उसने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। बाद में जानकारी जुटाने पर पत्नी और रोहित के बीच प्रेम संबंध निकला। पिता कृष्ण मुरारी ने बताया- 28 जून को रुचि अपने कथित प्रेमी रोहित से फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान तीन वर्षीय बेटा खेलते हुए शोर मचाने लगा।

मथुरा। मथुरा में 3 साल के मासूम की मां ने गला दबाकर हत्या कर दी। इसका खुलासा एक महीने बाद हुआ। बच्चे के पिता ने अपनी पत्नी और उसके कथित प्रेमी पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

मां ने अपना जुर्म कबूल लिया है। प्रेमी से फोन पर बात करते समय मासूम के शोर मचाने से नाराज होकर मां ने उसका गला दबा दिया। पति ने बताया- मेरे बेटे की 28 जून को मौत हुई थी। उस दिन पत्नी का फोन आया कि बच्चे का गला किसी हादसे में दब गया है और वह उठ नहीं रहा।

इसके बाद मैं घर पहुंचा और बेटे को अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवार ने अंतिम संस्कार कर दिया। बलदेव थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मां को हिरासत में ले लिया गया है बलदेव क्षेत्र निवासी कृष्ण मुरारी गुप्ता मेडिकल शॉप चलाते हैं। घर पर पत्नी रूचि (32) और तीन साल का बेटा माधव रहता था। कृष्ण मुरारी ने बताया कि 21 जून को पत्नी का मोबाइल देखने पर रोहित नाम के व्यक्ति का नंबर मिला। जानकारी करने पर पता चला कि वह उनकी ससुराल के बरारी गांव का रहने वाला है और दोनों के बीच लगातार बातचीत होती थी। आरोप है कि गुस्से में आकर रुचि ने बच्चे का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना की जानकारी रुचि ने रोहित को दी और दोनों ने मामले को छिपाए रखा। घटना की जानकारी मिलने के बाद कृष्ण मुरारी ने सोमवार को बलदेव थाने में पत्नी रुचि और उसके कथित प्रेमी रोहित के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। SHO अजय शर्मा ने कहा कि शिकायत पर गैर-इरादतन हत्या का

मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार दोपहर तक आरोपी महिला को गिरफ्तार नहीं किया गया है और आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। सीओ महावन संजीव राय ने बताया कि 27 जुलाई को डायल 112 पर कृष्ण मुरारी के बड़े भाई गोविंद की ओर से सूचना मिली थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सात साल पुराने संबंध का दावा

कृष्ण मुरारी ने अपनी तहरीर में बताया- पत्नी के रोहित से पिछले सात वर्षों से प्रेम संबंध थे, जबकि उनकी शादी 6 वर्ष पहले हुई थी। परिवार में दो बच्चे थे, जिनमें पांच वर्ष की एक बेटी भी है। उनका कहना है कि परिवार के सामने पूछताछ करने पर रुचि ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पत्नी रूचि ने बताया- बेटे बहुत शोर मचाता था। बात करने में दिक्कत होती थी। जब भी बात करो ये रोने लगता था। इसलिए 28 जून को मैं बात कर रही थी। ये डिस्टर्ब कर रहा था। गुस्से में आकर मैंने इसका गला दबा दिया। इसके बाद पति को फोन किया।

नोएडा में जोरदार बारिश, कमर तक पानी भरा

मेरठ-सहारनपुर में कॉलोनियां तालाब बनीं, दफ्तरों में पानी घुसा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। मंगलवार सुबह से नोएडा, मेरठ, गोंडा समेत 15 शहरों में रुक-रुककर जोरदार बारिश हो रही है। सहारनपुर में तड़के 4 बजे झमाझम बारिश हुई। 2 घंटे की मूसलाधार बारिश से सड़कों पर 2-3 फीट तक जलभराव हो गया। डीएम ऑफिस कैंपस में घुटनों तक पानी भर गया। ऑफिसर्स कॉलोनी में भी पानी घुस गया, जहां जिला जज, कमिश्नर, नगर आयुक्त जैसे बड़े अफसरों के आवास हैं। शहर की ज्यादातर कॉलोनियां तालाब बन गईं। नोएडा में सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। महिलाएं स्कूली बच्चों को कंधे पर बैठाकर चलती नजर आईं। बाइक-कार आधी डूब गईं। मेरठ में विकास प्राधिकरण के दफ्तर के परिसर में पानी घुस गया। कैंप कार्यालय के बाहर पानी भरने से महापौर अंदर ही फंस गए। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में पानी भर गया। रायबरेली में बारिश से खेत में 2 फीट का गड्ढा हो गया। गांव वालों ने देखा तो सुरंग मिली। मौके पर पहुंचकर ASI ने जांच शुरू कर दी है। मौसम विभाग (IMD) ने आज यूपी के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। 7 जिलों में बहुत भारी और 53 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। उधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से गंगा, यमुना, घाघरा, सरयू नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में कटान से 120 बीघा गन्ने की फसल शारदा नदी में समा चुकी है।

फास्ट न्यूज

ब्लैक सी हमले में कानपुर के मर्चेंट-नेवी अफसर की मौत

कानपुर। रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में 18 जुलाई को ब्लैक सी में एक शिप पर किए गए हमले में कानपुर के शास्त्री नगर निवासी सागर गुप्ता की मौत हो गई। यह मर्चेंट नेवी में चीफ आफिसर के पद पर कार्यरत व शिप में सवार थे। हमले की जानकारी परिवार वालों को 21 जुलाई को उनके साथ काम करने वाले एक व्यक्ति द्वारा दी गई। इसके बाद डीजी शिपिंग कार्यालय से भी उनको घटना की जानकारी मिली।

बाटी गांव में बंद कमरे में मिला महिला का गला कटा शव

मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के गांव बाटी में मंगलवार को एक महिला का गला कटा शव उसके मकान के प्रथम तल पर स्थित बंद कमरे में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही जैंत थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कराया। कमरे से विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए गए हैं, जिनके आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

कमरे में मिली दंपति की लाश

कानपुर। कानपुर में मंगलवार शाम पति-पत्नी के शव किराए के कमरे में मिलने से सनसनी फैल गई। कमरे में महिला का शव जमीन पर पड़ा था, जबकि पति का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर बर्रा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सचेंडी थाना क्षेत्र के कैंधा निवासी सौरभ सविता और उसकी पत्नी रानी की कुछ समय पहले ही शादी हुई थी।

20 साल छोटे प्रेमी के लिए पति को छोड़ा

इंस्टाग्राम पर दोस्ती में बिहार से लखीमपुर आई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 38 साल की महिला 18 साल के प्रेमी के लिए बिहार से लखीमपुर आ गई। गांव के लोगों ने महिला के पति को यह बात बताई, तो वह भी बच्चों को लेकर यहां आ गया। पहले 2 दिन गांव में और सोमवार को पूरे दिन पुलिस स्टेशन पर समझाने-बुझाने का दौर चला, लेकिन महिला पति के साथ जाने को राजी नहीं हुई। आखिर में पति बच्चों को लेकर बिहार लौट गया। वहीं, युवक का कहना है कि महिला ने शादी और बच्चों के बारे में पहले नहीं बताया था। महिला ने बताया कि पति कुछ कमाता नहीं था। बच्चे उसके थे, वही जिम्मेदारी उठाए। मामला नीमगांव थाना क्षेत्र का है। बिहार के रहने वाले प्रद्युम्न ने बताया- मैं मजदूरी करता हूं। 15 साल पहले मेरी शादी सुमन कुमारी उर्फ लवली से हुई थी। हमारे 3 बच्चे आदित्य (14) परसराज (8) और रूही (6) हैं। सुमन घर पर रहकर वीडियो बनाती और सोशल मीडिया पर पोस्ट करती थी। वीडियो पोस्ट करने के दौरान करीब 6 महीने पहले सुमन की लखीमपुर के रहने वाले पवन (18) से दोस्ती हो गई। पवन सोनीपत में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है।

गोरखपुर में पड़ोसी टीचर के घर में मिली लाश, खेलते वक्त उठा ले गया था

ज्वैलरी कारोबारी के पोते की अपहरण के बाद हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के ज्वेलरी कारोबारी के 10 साल के पोते की मंगलवार को अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। लाश घर से 20 मीटर दूर रहने वाले पड़ोसी के घर में बोरे में भरी मिली। परिवार के लोग भागते हुए पहुंचे। आसपास तलाश की तो थोड़ी दूरी पर बच्चे की एक चप्पल मिली। परिवार ने स्कूल, दोस्तों, रिश्तेदारों में पता किया। पुलिस को सूचना दी। पुलिस फॉरेंसिक, डॉग स्कवॉयड के साथ मौक पर पहुंची। सीसीटीवी चेक किए तो बच्चा पड़ोस में रहने वाले कम्प्यूटर टीचर के साथ जाते दिखाई दिया। पूछताछ की गई तो टीचर गुमराह करने लगा। पुलिस ने सच उगलवाने के लिए साइकोलॉजिस्ट की मदद ली तो उसने अपहरण के बाद हत्या की बात कबूल की। हालांकि उसने हत्या क्यों की, ये नहीं बताया। आरोपी की निशानदेही पर घर के बेसमेंट से बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है।

एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि वैभव वर्मा सोमवार शाम को लापता हो गया था। वह स्कूल से घर लौटा।

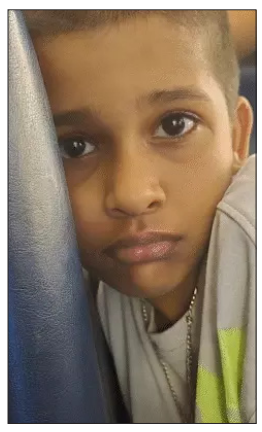

- वैभव की हत्या की खबर सुनते ही पिता बिलख पड़े। परिजनों से लिपटकर पीट-पीट कर रोने लगे।
- वैभव के दादा का रो-रोकर बुरा हाल है। वह घर के बाहर कुर्सी पर बैठकर छाती पीट-पीटकर रोते रहे।

आरोपी के परिवार को पुलिस ने हिरासत में लिया

बेटे की मौत के बाद परिवार के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। मोहल्ले की महिलाओं ने थाने का घेराव कर लिया। पिता भी सड़क पर धरने पर बैठ गए। परिवार के लोगों ने आरोपी को फांसी की सजा दिलाने की मांग करने लगे। एसपी साउथ डीके पुरी से परिवार के लोगों ने कहा- हत्यारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

खोजी कुत्ते को बच्चे की ड्रेस सुंघाई, एक किमी दूर तक गया

एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने तत्काल 5 टीमें गठित कीं। एक टीम ने CCTV खंगालने शुरू किए। बाकी टीमें डॉग स्कवॉयड लेकर मौके पर पहुंचीं। बच्चे की स्कूल ड्रेस खोजी कुत्ते को सुंघाई गई। इसके बाद कुत्ता जहां चप्पल पड़ीं थी, वहां से एक किमी दूर खेत से होता हुआ रोड तक गया। पुलिस को शक हुआ कि बच्चा खेत से रोड तक पहुंचा होगा।

गोरखपुर में महिला से रेप, वारदात सीसीटीवी में कैद

मंदिर के बाहर सो रही थी, आरोपी गिरफ्तार, बोला- गलती हो गई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में महिला से रेप का मामला सामने आया है। अधेड़ ने मंदिर के बाहर सो रही 35 साल की महिला के साथ जबरदस्ती की, फिर विरोध करने पर भाग गया। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई। घटना 24 जुलाई रात 11 बजकर 40 मिनट की है। मंगलवार को फुटेज से पहचान करके पुलिस ने आरोपी दीपक गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने के बाद वह गिड़गिड़ाने लगा। बोला- साहब गलती हो गई, मुझे छोड़ दीजिए। वारदात जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पिपराइच कस्बे की है। मंदिर के पुजारी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। पिपराइच कस्बे में एक मंदिर के पास मानसिक बीमार महिला सोई थी। दिनभर वह सड़क पर घूमती रहती थी। पुलिस के मुताबिक, CCTV में दिख रहा है कि महिला मंदिर के बाहर बने चबूतरे पर सो रही थी, तभीदीपक गुप्ता वहां पहुंचता है। महिला को सोते हुए देखकर आरोपी उसके साथ जबरदस्ती रेप करता है। जब महिला विरोध करती है तो आरोपी उसे धकेल देता है। इसके बाद आरोपी भाग जाता है और महिला दूसरी ओर चली जाती है। अगले दिन महिला की हालत देखकर लोगों को शक हुआ। जब लोगों ने CCTV देखा तो पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी की पहचान करके जांच शुरू की। आरोपी दीपक गुप्ता को पुलिस ने मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक पिपराइच विवेक त्रिवेदी ने बताया- आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और बयान भी दर्ज किए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेजी से की जा रही है। एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया- CCTV कैमरे की फुटेज से आरोपी की पहचान कर पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बच्चे बोले- अम्मी के सीने पर लात-घूसें मारे थे, हैलट अस्पताल में छोड़कर भागा पति

शराब पीने के विरोध पर पत्नी को पीटकर मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद ने एक महिला की जान ले ली। शराब पीने का विरोध करने पर पति द्वारा की गई कथित बेरहमी से मारपीट में गंभीर रूप से घायल महिला की मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने पति पर पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतका के भाई शीबू ने बताया कि उनकी 32 वर्षीय बहन शीबा का निकाह वर्ष 2015 में फर्रुखाबाद जिले के घोड़ा नक्खास निवासी दिलशाद उर्फ खलीफा से हुआ था। दोनों के चार बच्चे हैं। शादी के शुरुआती कुछ समय तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में पति शराब का आदी हो गया और आए दिन नशे में पत्नी के साथ मारपीट करने लगा। परिवार ने कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन उसकी आदतों में कोई बदलाव नहीं आया। परिजनों का आरोप है कि पिछले सप्ताह दिलशाद शराब के नशे में घर पहुंचा और शीबा पर एक हजार रुपये चोरी करने का आरोप लगाया। महिला ने आरोपों से इनकार किया तो गुस्साए पति ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि उसने शीबा के सीने पर लात-घूसों से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि घटना के दौरान ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने उसे बचाने की कोशिश नहीं की। मारपीट के बाद आरोपी पति गंभीर हालत में पत्नी को हैलट अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन वहां भर्ती कराने के बाद उसे छोड़कर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचे और शीबा को बेहतर इलाज के लिए पनकी स्थित जेएस अस्पताल में भर्ती कराया।

एक हजार रुपये चोरी का लगाया आरोप

परिजनों के अनुसार, पिछले सप्ताह आरोपी शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी पर एक हजार रुपये चोरी करने का आरोप लगाया। विरोध करने पर उसने शीबा के साथ बेरहमी से मारपीट की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोप है कि इस दौरान ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने भी उसे बचाने की कोशिश नहीं की।

शराब के नशे में मारपीट का आरोप

मछरिया बरकाती मस्जिद निवासी शीबू ने बताया कि उनकी बहन शीबा (32) का निकाह वर्ष 2015 में फर्रुखाबाद जिले के घोड़ा नक्खास निवासी दिलशाद उर्फ खलीफा से हुआ था। दंपति के चार बच्चे हैं। परिजनों का आरोप है कि दिलशाद शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था।

वारदात : पति का दावा- 6 महीने तक चाय में मिलाती रही जहर, सीसीटीवी के बाद दर्ज हुआ केस

पत्नी पर स्लो पॉइजन देने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में अकाउंटेंट ने पत्नी पर स्लो पॉइजन देने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि पत्नी ने 6 महीने तक परिवार को चाय में स्लो पॉइजन मिलाकर पिलाया। मुझे भी जहरीली चाय पिलाई। माता-पिता को खून की उल्टियां होने पर मुझे शक हुआ। उन्होंने कहा- मैंने घर में हिडन कैमरे लगवा दिए। इसमें पत्नी चाय में जहर मिलाते हुए कैद हो गई। मैंने उसे CCTV फुटेज दिखाई तो घर छोड़कर चली गई। वह पूरा दिन मोबाइल पर क्राइम पेट्रोल देखती रहती थी। इसके बाद उसने मुझ पर दहेज का केस दर्ज करा दिया। 23 जुलाई को मैंने CCTV फुटेज और डॉक्टर की रिपोर्ट के साथ कमिश्नर रघुवीर लाल से शिकायत की। डीसीपी कासिम आब्दी ने बताया- डॉक्टरों के बयान दर्ज करने के बाद 25 जुलाई को आरोपी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। पत्नी ने भी ससुराल वालों पर मारपीट और दहेज का केस दर्ज कराया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामला शहर के पॉश इलाके रावतपुर थाना क्षेत्र का है। हिमांशु गुप्ता (32) पुणे में अकाउंटेंट की नौकरी करते हैं। पत्नी ज्योति गुप्ता (30) चौबेपुर के सरकारी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन हैं। दोनों की शादी 2 साल पहले हुई थी। मां ने बताया कि ज्योति पूरा दिन मोबाइल पर क्राइम पेट्रोल देखती रहती है। उन्होंने उसे सीरियल देखने से मना किया तो वह लड़ने लगी। मां की बात सुनने के बाद मैंने किचन और कमरों में कैमरे लगवा दिए। कैमरे में वह चाय में जहर मिलाते हुए कैद हो गई। फुटेज में दिखा कि वह किचन में चाय बना रही थी।

'मां के बाद पिता बीमार हुए, एक जैसे लक्षण थे, तब हुआ शक'

गणेश नगर के रहने वाले हिमांशु गुप्ता के परिवार में पिता अनिल कुमार, मां राधा और पत्नी ज्योति हैं। चकेरी निवासी ज्योति और हिमांशु की शादी 30 जनवरी, 2024 को हुई थी। दोनों का कोई बच्चा नहीं है। ज्योति के परिवार में उसका भाई शुभम गुप्ता और तीन बहनें हैं। ज्योति बहनों में सबसे छोटी है। शादी के कुछ समय बाद ही उसके पिता की बीमारी से मौत हो गई। पति हिमांशु का आरोप है कि शादी के 6 महीने बाद ही पत्नी का व्यवहार बदल गया।

वह मां को नाम से बुलाने लगी और लड़ाई-झगड़ा करने लगी। इसी दौरान मेरी मां की तबीयत बिगड़ने लगी। उनके सीने में दर्द, खून की उल्टियां, सिरदर्द और कमजोरी रहने लगी। फिर मेरे पिता भी बीमार हो गए। उनमें भी वही लक्षण थे। डॉक्टर को दिखाया तो दोनों की रिपोर्ट एक जैसी आई। डॉक्टर ने बताया कि किसी रासायनिक पदार्थ के सेवन से ऐसा हो रहा है। एक दिन मुझे भी खून की उल्टियां हुईं। तब मुझे शक हुआ।

हिमांशु ने बताया कि 1 जुलाई, 2025 को मेरी मां ने मुझे बताया कि उन्होंने ज्योति को चाय में कुछ मिलाते हुए देखा। मैंने उससे पूछा तो उसने कहा कि रिश्ते अच्छे रहें, इसलिए इलायची मिलाई है। ज्योति ने सभी को चाय दी, लेकिन खुद चाय नहीं पी।

माँ के हाथों तीन वर्षीय मासूम की मौत

मथुरा। थाना बलदेव क्षेत्र के गांव छौली में तीन वर्षीय मासूम की मौत के मामले में पुलिस ने मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीओ महावन संजीव कुमार राय के अनुसार प्रथम दृष्टया पूछताछ में सामने आया है कि बच्चे की मां ने उसे शांत कराने के दौरान कथित रूप से गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक 27 जुलाई 2026 की शाम करीब 7:30 बजे यूपी-112 के माध्यम से सूचना मिली कि गांव छौली निवासी गोविंद गुप्ता ने बताया कि उनके भाई की पत्नी ने अपने तीन वर्षीय पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बलदेव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से जानकारी जुटाई।

जांच में पता चला कि घटना 28 जून 2026 की है। पुलिस के अनुसार बच्चे की मां रुचि गुप्ता ने पूछताछ में बताया कि बच्चा खेलते समय शरारत कर रहा था।

सुल्तानपुर डीएम से मिले अमहट मंडी के व्यापारी

जाम, अतिक्रमण और पेयजल समेत 7 मांगों पर कार्रवाई का मिला आश्वासन

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर की अमहट मंडी में अव्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर मंगलवार को व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार 2 बजे डीएम इंद्रजीत सिंह से मुलाकात की। व्यापारियों ने उन्हें मंडी की सात प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर जिलाधिकारी ने जांच कर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। व्यापारियों ने बताया कि मंडी सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगती है, लेकिन गेट नंबर 2 से गेट नंबर 3 तक रोजाना भीषण जाम लग जाता है। वाहनों के निकलने की जगह नहीं बचती। मंडी परिसर और गेट के बाहर सड़क पर अवैध रूप से दुकानें और ठेले लगाए जा रहे हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है। पीने के पानी की समस्या भी गंभीर है, क्योंकि मंडी में वाटर कूलर नंबर 3 और सरकारी नल खराब पड़े हैं। गर्मी में व्यापारी और किसान पेयजल के लिए भटकते हैं। इसके अलावा, मंडी में कूड़े और गंदगी के ढेर लगे हैं, और नालियां जाम हैं। हल्की सी बारिश में भी जलभराव हो जाता है, जिससे व्यापारियों के फल और सब्जियां खराब हो जाती हैं। व्यापारियों ने यह भी बताया कि पिछले पांच महीने से मंडी की सफाई का टेंडर नहीं हुआ है। भारतीय फल सब्जी व्यापार मंडल अमहट मंडी के अध्यक्ष मोहम्मद शमीम ने प्रशासनिक अनियमितताओं पर भी सवाल उठाए।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

मरने से पहले कहा- यह लोग कीड़ा-मकौड़ा समझते हैं, जीना नहीं चाहती, मेरी मौत को इंसाफ मिले

महिला ने वीडियो बनाकर लगाई फांसी

आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एक महिला गले में फंदा लगाकर लटक गई। उसके पहले उसने मोबाइल से गले में फंदा कसने का वीडियो बनाया। पति और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। उसके बाद लटक गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति और सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शनिवार की है। महिला की मौत सोमवार की सुबह हुई है। मामला ताजगंज इलाके का है। सिद्धार्थ नगर का रहने वाला अभिपाल एक कंपनी में काम करता है। उसकी शादी वर्ष 2001 में बाह क्षेत्र के बिजौली

प्रियंका ने सुसाइड से पहले जो वीडियो बनाया, उसमें पति और सास-ससुर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

की रहने वालीप्रियंका (28) से हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। तीन साल की बेटी और एक साल का बेटा

भाई बोला- बहन की गृहस्थी बसाने के लिए कई बार पंचायत हुई

बाह क्षेत्र के बिजौली निवासी प्रियंका के भाई राजेंद्र सिंह ने बताया कि बहन की शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर लगातार परेशान कर रहे थे। सास-ससुर के उकसाने पर पति आए दिन मारपीट करता था। बेटी की गृहस्थी बसाने के लिए कई बार पंचायत के बाद उसे ससुराल भेजा। इसके बावजूद पति और ससुराल वालों के रवैये में बदलाव नहीं आया। इंस्पेक्टर ताजगंज नीरज शर्मा ने बताया कि आरोपित पति और सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया है।

है। प्रियंका ने 26 जुलाई शनिवार की रात करीब 11 बजे अपने कमरा बंद करके अपने दुपट्टे से गले में फंदा कस लिया। उसके पहले उसने करीब डेढ़ मिनट का वीडियो बनाया। वीडियो में प्रियंका ने कहा कि मेरी मौत का इंसाफ मिले। वीडियो बनाकर उसने उसे पति अभिपाल और मायके वालों को भेज दिया। उस समय पति अपनी ड्यूटी पर गया हुआ था। पति ने वीडियो देखने के बाद परिजन और पड़ोस में रहने वालों को सूचना दी। उन्होंने किसी तरह दरवाजे का खोला तो प्रियंका को छत में लगे पंखे से लटका पाया। नीचे उतारकर शहीद नगर स्थित पार्थ सारथी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान सोमवार की सुबह प्रियंका की मौत हो गई। 'अब मैं बिल्कुल नहीं जी

डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया- महिला के परिवार की तहरीर के आधार पर पति और सास-ससुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार किया गया है। वीडियो को जांच में शामिल कर लिया गया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की जांच और कार्रवाई की जा रही है।

यह प्रियंका की तस्वीर है।

सकती। आज के बाद मैं बिल्कुल नहीं बचूंगी। यह मेरा आखिरी दिन है। मुझे नहीं पता कि मेरे बाद मेरे बच्चों का क्या होगा। मुझे शादी करके इस घर में लेकर आए, यह लोग ऐसे समझते हैं कि जैसे पता नहीं कौन से कीड़-मकोड़े को उठा लाए हैं। मैं अपने पति और सास-ससुर के चलते फांसी लगा रही हूं। मैं चाहती हूं मेरी मौत को इंसाफ मिले।'

मंदिर से लौट रहे श्रद्धालु की सड़क हादसे में मौत

सुल्तानपुर में बाइक सवार गंभीर घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र में एक सड़क हादसे में मंदिर से दर्शन कर लौट रहे 45 वर्षीय श्रद्धालु चंद्रभूषण वर्मा की मौत हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार 12 बजे मृतक चंद्रभूषण वर्मा ग्राम सभा महमूदपुर लखनपुर खटवर के निवासी थे। वह बरौसा स्थित मंदिर मंडा पर दर्शन-पूजन के लिए गए थे। वापस लौटते समय बेलाहरी की ओर से आ रही एक बाइक (संख्या UP44 AU 0110) ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से चंद्रभूषण वर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

जयसिंहपुर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में बाइक सवार धीरज कुमार (पुत्र कन्हैयालाल, निवासी ग्राम अवसानपुर, विकास खंड लंभुआ) भी बुरी तरह घायल हो गए। उनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली जयसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है।

फास्ट न्यूज

कूलर में करंट से 12 साल के बच्चे की मौत

फतेहाबाद। आगरा के थाना बाह क्षेत्र के बड़ागांव में सोमवार रात कूलर में उतरे करंट की चपेट में आने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार बड़ागांव निवासी देवराज (12) पुत्र बंटी अपनी दादी कुसुवा देवी के साथ गांव में रहता था। उसके पिता दिल्ली में एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं।

एसपी देहात और एडीएम ने किया 21 किमी पैदल मार्च

मथुरा। प्रसिद्ध गोवर्धन गुरु पूर्णिमा मेले के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहूलियत के लिए मथुरा प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी क्रम में एसपी देहात सुरेश चंद रावत और एडीएम प्रशासन ने सोमवार रात गोवर्धन के 21 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग का पैदल मार्च कर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मेले में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना और परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता सुनिश्चित करना था। अधिकारियों ने तय स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति की जाँच की और उन्हें

राजा महेंद्र सिंह विश्वविद्यालय में छात्रों का धरना

अलीगढ़। अलीगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में एलएलबी और बीए एलएलबी के छात्रों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। छात्र बैक परीक्षा में फेल छात्रों को अगले सेमेस्टर में सशर्त प्रवेश देने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि बैक पेपर की वजह से कई विद्यार्थी अगले सेमेस्टर में दाखिला नहीं ले पा रहे हैं।

अलीगढ़ में पीएनटी कर्मचारियों का बीएसएनएल कार्यालय पर प्रदर्शन

बकाया वेतन भुगतान की मांग की, मांगे पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। भारतनेट परियोजना के लंबित भुगतान और रोजगार सुरक्षा की मांग को लेकर मंगलवार को PNT कर्मियों ने नकवी पार्क स्थित BSNL कार्यालय पर प्रदर्शन किया। अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। यूनियन का आरोप है कि भारतनेट परियोजना में लंबे समय से काम कर रहे PNT कर्मियों का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। साथ ही अनुभवी कर्मचारियों से फाइबर रखरखाव का काम लेकर दूसरे माध्यमों से कराया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने मांग की कि सभी लंबित भुगतान जल्द जारी किए जाएं। इसके अलावा भारतनेट

परियोजना में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यूनियन ने यह भी मांग की कि वर्षों से काम कर रहे PNT कर्मियों का रोजगार सुरक्षित रखा जाए और फाइबर रखरखाव का काम प्राथमिकता के आधार पर उन्हें ही दिया जाए। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत से भारतनेट परियोजना को मजबूती मिली है, लेकिन अब वही कर्मचारी रोजगार संकट झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा।

प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश शर्मा, अध्यक्ष अतुल कुमार शर्मा, सलाहकार राकेश शर्मा, अतुल तिवारी, गजेंद्र पोरुष, विष्णु कांत, अमित चौधरी, अभिप्रताप सिंह, नीरज सिंह, अजय परमार सहित बड़ी संख्या में PNT कर्मी मौजूद रहे।

गेट पर ताला लगा, पति पर हत्या का शक, 2 महीने पहले की थी दूसरी शादी

बंद कमरे में मिला महिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र के नगला पेमा में मंगलवार सुबह करीब सात बजे एक बंद मकान से महिला का शव बरामद हुआ। घर पर बाहर से ताला लगा था और परिजन मौके से फरार मिले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फील्ड यूनिट की मौजूदगी में दरवाजा खुलवाकर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में पहले फरहान नाम के युवक का शव मिलने की चर्चा फैल गई। हालांकि, पुलिस ने जब मकान का ताला खोला तो अंदर एक महिला का शव मिला। मौके से फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू कर दी। डीसीपी सिटी अली अब्बास ने बताया कि नगला पेमा निवासी फरहान ने करीब दो महीने पहले झांसी की

रहने वाली उसमा से दूसरी शादी की थी। फरहान अपनी पहली पत्नी को छोड़ चुका था। पहली पत्नी के बच्चे उनके बाबा के पास रहते थे, जबकि उसमा के दो बच्चे उसके साथ रहते थे। पुलिस के अनुसार, फरहान कुछ दिन पहले उसमा के दोनों बच्चों को झांसी छोड़कर आया था। घटना के बाद से वह फरार है। ऐसे में पुलिस को उस पर हत्या का संदेह है और उसकी तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मृतका के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और फरार पति की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्यों और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोगों ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 7 बजे पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस मौके पर आ गई। मगर, फील्ड यूनिट के आने का इंतजार किया जा रहा है। तीन घंटे होने के बाद भी फील्ड यूनिट नहीं पहुंची है। पुलिस उनके इंतजार में बैठी रही। तीन घंटे बाद ताला खोलकर शव निकाला गया।

'आरक्षण हटवाने को सीजेपी समर्थन करे'

श्रीकृष्ण जन्मस्थान संघर्ष न्यास के अध्यक्ष ने अभिजीत दीपके को लिखा लेटर

दिनेश फलाहारी ने सीजेपी से मांग की है कि वह आरक्षण हटवाने के लिए आगे आएं।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। पेपर लीक के मुद्दे पर चले आंदोलन के बाद अब आरक्षण व्यवस्था को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। श्री कृष्ण जन्मस्थान संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने अभिजीत दीपके को खून से पत्र लिखकर आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की मांग उठाई है। उन्होंने युवाओं से इस अभियान में जुड़ने की अपील भी की है। दिनेश फलाहारी ने अपने पत्र में कहा कि वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की जानी चाहिए।

उनका सुझाव है कि आरक्षण का लाभ केवल आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मिले, ताकि

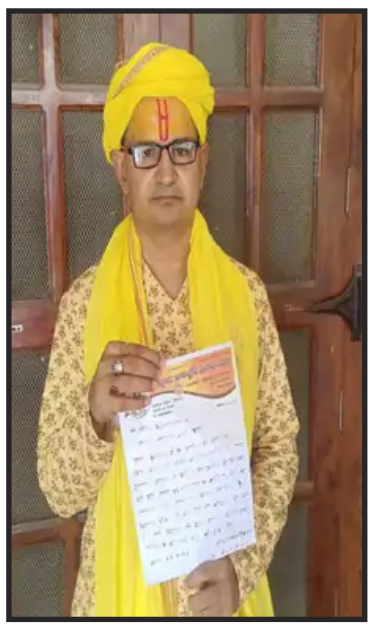

वास्तव में जरूरतमंद वर्ग को इसका फायदा मिल सके और सभी योग्य युवाओं को समान अवसर प्राप्त हों। पत्र के माध्यम से उन्होंने अभिजीत दीपके से आरक्षण व्यवस्था में बदलाव के अभियान में युवाओं का नेतृत्व करने और उनका साथ देने का आग्रह किया। उनका कहना है कि इस विषय पर व्यापक जनचर्चा और संवाद की आवश्यकता है।

दिनेश फलाहारी का कहना है कि कई प्रतिभाशाली युवा अच्छे अंक हासिल करने के बावजूद नौकरी पाने से वंचित रह जाते हैं, जबकि आरक्षण का लाभ मिलने के कारण अन्य अभ्यर्थियों का चयन हो जाता है। उन्होंने इसे वर्तमान व्यवस्था की एक चुनौती बताते हुए समीक्षा की मांग की। पत्र में उन्होंने दावा किया कि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था से समाज में असमानता बढ़ रही है।

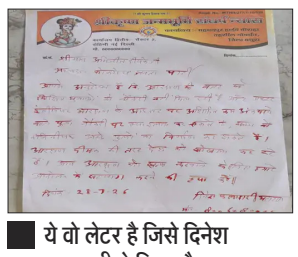

ये वो लेटर है जिसे दिनेश फलाहारी ने लिखा है।

उनका कहना है कि यदि सभी युवाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने हैं, तो आर्थिक आधार पर नई व्यवस्था लागू करने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

दिनेश फलाहारी ने कहा कि उनके पत्र के सामने आने के बाद संबंधित संगठन में इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो गई है।

उनका मानना है कि आरक्षण व्यवस्था को लेकर व्यापक स्तर पर विमर्श होना चाहिए, ताकि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जा सके।

25 लाख की टप्पेबाजी का खुलासा, दिल्ली का आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे पुलिस, सर्विलांस, साइबर सेल, स्वॉट और एसओजी टीम की संयुक्त कार्रवाई में 25 लाख रुपये की टप्पेबाजी का खुलासा करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई पूरी 25 लाख रुपये की नकदी, एक बैग तथा घटना में प्रयुक्त GIXXER-250 मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई को एक कर्मचारी कार संख्या UP 85 BY 0740 से 25 लाख रुपये लेकर गोविंद नगर जा रहा था। सीआईएमएस अस्पताल के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने कार को ओवरटेक कर वाहन खराब होने का इशारा किया। चालक के कार रोकते ही आरोपी रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना हाईवे पर मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए थाना हाईवे पुलिस के साथ

सर्विलांस, साइबर सेल, स्वॉट और एसओजी टीम को लगाया गया। मुखबिर की सूचना पर 27 जुलाई की रात करीब 11:55 बजे सलेमपुर पालीखेड़ा रोड से अक्षय पुत्र मारमुत्तु (24 वर्ष), निवासी मदनगिरी, साउथ दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी के साथ पहले कार के बोनट के नीचे तेल डाल दिया था। इसके बाद आगे जाकर वाहन खराब होने का इशारा किया। चालक और कार में बैठे अन्य लोग बोनट की जांच में व्यस्त हो गए, तभी वह कार में रखा रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 25 लाख रुपये की पूरी नकदी, एक बैग और घटना में प्रयुक्त दिल्ली नंबर की GIXXER-250 मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल के नेतृत्व में थाना हाईवे पुलिस, साइबर सेल, सर्विलांस सेल, स्वॉट तथा एसओजी की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पृष्ठ 01 का शेष...

एंटी-पेपर लीक बिल ...

सदन में प्रियंका की टिप्पणी के बाद सत्ता पक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू, निशिकांत दुबे और जोशी ने विरोध किया और कहा कि प्रियंका ने जोशी का चरित्र हनन किया। प्रियंका इस बात का सबूत दें और माफी मांगे। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार वचन नहीं, जुमले देती है। दोपहर का सत्र शुरू होने पर स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि मैंने चर्चा के लिए 6 घंटे का समय तय किया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष चाहें तो समय बढ़ा सकते हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार ने सभी दलों से बात की है। अब 8 घंटे चर्चा होगी। जरूरत होगी तो हम 10 घंटे भी चर्चा को तैयार हैं।

वकीलों को कैशलेस ...

और वह काफी तकलीफ में हैं। उन्होंने कहा कि एक सांसद का काम कानून बनाना होता है और उनके जीवन में कानूनी विषयों का विशेष महत्व रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों में आने के बाद उन्हें वकील की भूमिका निभाने का भी अवसर मिला। रवि किशन ने बताया कि सरकार पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए नया सख्त कानून लेकर आई है। इस कानून में दोषियों के लिए 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना और 10 साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि देश इस समय चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से गुजर रहा है और सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए कड़े कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के 10 जिलों में जिला अदालतें तक नहीं थीं। उनकी सरकार ने एक साथ 3 हजार करोड़ रुपये मंजूर कर इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स की योजना शुरू की। इन परिसरों में सभी अदालतों और ट्रिब्यूनलों को एक ही छत के नीचे लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ये कॉम्प्लेक्स 25 से 30 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हैं और न्यायिक अधिकारियों के लिए आवासीय सुविधाओं पर भी काम शुरू हो चुका है। योगी ने कहा कि जब इस परियोजना का प्रस्तुतीकरण देश के मुख्य न्यायाधीश के सामने किया गया तो उन्होंने इसे पूरे देश के लिए मॉडल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बार एसोसिएशन और अधिवक्ता समुदाय के साथ मिलकर न्याय व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा। सरकार कैशलेस व्यवस्था सहित अन्य आधुनिक सुविधाएं देने के लिए तैयार है। उन्होंने अधिवक्ताओं को समाज का जागरूक प्रहरी बताते हुए कहा कि देश और समाज के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति लोगों को जागरूक करना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने बेंच और बार के बीच बेहतर संवाद पर जोर देते हुए कहा कि आम नागरिक को सरल और सहज तरीके से न्याय मिलना चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़ी कैशलेस सुविधाएं जल्द लागू की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में पहले दंगे और कर्फ्यू की स्थिति रहती थी, जबकि अब हर जनपद में महोत्सव आयोजित हो रहे हैं और उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल सरकार के प्रयासों से नहीं आया, बल्कि समाज के हर वर्ग के सहयोग से संभव हुआ है। शासन नीतियां लागू करता है, लेकिन उनका पालन समाज के सभी तबकों के सहयोग से ही होता है। योगी ने अधिवक्ताओं के लिए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले अधिवक्ता कल्याण निधि से डेढ़ लाख रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया है। उन्होंने बताया कि कल्याण निधि का कार्पस फंड बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये कर दिया गया है और अब इसके ब्याज से योजनाओं का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 4 हजार अधिवक्ताओं के परिवारों को करीब 200 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। पहले यह सहायता 60 वर्ष की आयु तक सीमित थी, लेकिन अब 70 वर्ष की आयु होने पर भी अधिवक्ता के परिवार को लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अधिवक्ताओं के लिए अधिवक्ता भवन और चैंबर निर्माण के लिए भी सरकार ने धनराशि उपलब्ध कराई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने हाल ही में तीन नए कानून लागू किए हैं और उन्हें जमीन पर लागू कराने में अधिवक्ता समुदाय की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि इन कानूनों से आम आदमी को यह महसूस हुआ है कि देश में उसका अपना कानून है। योगी ने कहा कि जब भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब हर नागरिक का दायित्व है कि वह इसमें अपना योगदान दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देशभर में लोग उत्तर प्रदेश की तारीफ कर रहे हैं। 2017 से पहले यूपी के लोगों को शक और संदेह की नजर से देखा जाता था, लेकिन अब प्रदेश की पहचान बदल रही है। उन्होंने कहा कि जहां पहले कट्टा और बम बनाने की चर्चा होती थी, वहीं अब उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जा रही है। योगी ने कहा कि जिस राज्य में पहले बेरोजगारी और पलायन बड़ी चुनौती थे, वह आज कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में शामिल है। इसके लिए सरकार ने रोजगार के नए स्रोत तैयार किए और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचे जाएंगे। क्षेत्र, भाषा और अन्य मुद्दों के जरिए विवाद पैदा कर देश को कमजोर करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई न्यायपालिका पर उंगली उठाएगा, कोई विधायिका पर और कोई कार्यपालिका पर सवाल खड़े करेगा। ऐसे समय में अधिवक्ता समाज की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। योगी ने कहा कि लंबे समय तक भारत उन लोगों की ओर देखता रहा जिन्होंने देश को गुलाम बनाया था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। पहली बार भारत अपनी नीतियां खुद बना रहा है और अपने भविष्य का नियंता स्वयं बन रहा है। उन्होंने कहा कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और हर वर्ग को इसमें सकारात्मक योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा दी जा रही है। योगी ने कहा कि आयुष्मान कार्ड के जरिए 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है और इसके माध्यम से लोगों को कैशलेस इलाज भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि देश में 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाए गए, जबकि 4 करोड़ परिवारों को अपना मकान मिला है। इसके अलावा 40 करोड़ लोगों के जनधन खाते खोले गए, जिससे गरीब और वंचित वर्ग को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड काल में जब पूरी दुनिया संकट से जूझ रही थी, तब भारत अपनी वैक्सीन तैयार कर रहा था। उन्होंने कहा कि भारत ने सिर्फ नौ महीने में स्वदेशी कोविड वैक्सीन विकसित की और बाद में दुनिया के 100 देशों तक उसकी आपूर्ति भी की। योगी ने इंसेफ्लाइटिस के खिलाफ चलाए गए अभियान का भी जिक्र किया।

नाबालिग ...

कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है। 2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होनी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी। सुनवाई के आखिर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जुनैद मलिक की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की मांग का विरोध किया।

सारांश जैन को मौका, जडेजा की वापसी, बुमराह पर फैसला फिटनेस के आधार पर

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हुआ ऐलान

घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

BCCI ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी हुई है। सारांश जैन टीम में नया चेहरा हैं। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को टीम में रखा गया है लेकिन उनका खेलना या ना खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। नीतीश कुमार रेड्डी अनफिट होने के कारण टीम में नहीं चुने गए हैं। वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग के चलते पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

स्पिन डिपार्टमेंट में रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव टीम में शामिल हैं। टेस्ट डेब्यू में 7 विकेट लेने वाले मानव सुथार भी टीम में हैं। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो के SSC मैदान पर होगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में भारत की यह पहली विदेशी टेस्ट सीरीज होगी। भारत फिलहाल WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें, जबकि श्रीलंका छठे स्थान पर है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं। श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। टीम ने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी, यानी उसे करीब 18 साल से भारत के खिलाफ सीरीज जीत का इंतजार है।

तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह (फिट होने पर), मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा पर होगी। श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मुकाबले में 10 विकेट लेने वाले गुरनूर बरार भी प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के मजबूत दावेदार हैं।

राहुल-जायसवाल करेंगे ओपनिंग, गिल नंबर-4 पर

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करेंगे। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। साई सुदर्शन के साथ देवदत्त पडिक्कल भी टीम का हिस्सा हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत संभालेंगे। ध्रुव जुरेल रिजर्व विकेटकीपर होंगे।

सारांश जैन को इंडिया-ए के प्रदर्शन का इनाम मिला

मध्य प्रदेश के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए के लिए दूसरे चार दिवसीय मैच में नाबाद 70 रन बनाने के अलावा 6 विकेट भी लिए थे।

ऑफ स्पिनर सारांश ने अब तक 54 फर्स्ट क्लास मैचों में 31.75 की औसत से 2,223 रन बनाए हैं। उन्होंने 188 फर्स्ट क्लास विकेट भी लिए हैं।

बिना खेले ही टीम इंडिया से आउट हो गया ये युवा

लिस्ट में एक ऑलराउंडर का नाम भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया अगले महीने श्रीलंका के दौरे पर जाएगी और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को टीम का एलान कर दिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए इकलौते टेस्ट मैच के लिए जो टीम चुनी गई थी उसके मुकाबले कुछ बदलाव देखने को मिले हैं।

श्रीलंका के खिलाफ भारत को पहला टेस्ट मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गॉल में खेलना है। वहीं दूसरा मैच कोलंबो में 23 से 27 अगस्त के बीच खेला जाना है। ये सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी।

हर्ष दुबे

बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर हर्ष दुबे को टीम में जगह नहीं मिली है। वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम में चुने गए थे, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। श्रीलंका दौरे पर वह टीम में नहीं हैं। ऐसे में सेलेक्शन कमेटी ने बिना उन्हें परखे ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।

नीतीश कुमार रेड्डी

अफगानिस्तान के खिलाफ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में जगह मिली थी, लेकिन श्रीलंका दौरे पर उनका नाम टीम में नहीं है। इसका कारण चोट है। नीतीश को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में चोट लग गई थी। उनको क्वाड्रिसेप्स इंजुरी हुई है।

अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वॉश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

नई दिल्ली। भारत की 18 साल की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वॉश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट का पहला गोल्ड दिलाया।

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

गर्ल्स वर्ग में अनाहत के अलावा रुद्र सिंह, अनिका दुबे और शानवी कलंकी राउंड ऑफ-32 में बाहर हो गईं।

बॉयज वर्ग में आर्यवीर दीवान भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। वे प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। युशा नफीस और गुरवीर सिंह राउंड ऑफ-32, जबकि पुरव रामभिया राउंड ऑफ-64 में हार गए।

सीनियर PSA वर्ल्ड रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत की नजर अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर होगी, जहां पहली बार स्क्वैश को शामिल किया गया है।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में दूसरा गोल्ड

शर्मिला धनखड़ ने शॉट पुट में मेडल जीता, हाई जंप में सिल्वर जीतने वाले सर्वेश कुशारे पहले भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की शर्मिला धनकड़ ने सोमवार को कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के पैरा शॉट पुट F57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर यह उपलब्धि हासिल की।

इसी इवेंट में भारत की शिल्पा के. शायला ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। शर्मिला से पहले रविवार को वेटलिफ्टिंग में मीरा बाई चानू ने 48 KG में गोल्ड जीता था।

F57 कैटेगरी में उन पैरा एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं या जिनकी मांसपेशियों की ताकत कम होती है।

भारत के मेडल टैली में कुल 10 मेडल हो गए हैं और टीम आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 26 गोल्ड सहित 59 मेडल के साथ पहले स्थान पर है। अन्य इवेंट्स में हाई जंप में सर्वेश कुशारे और वेटलिफ्टिंग के 79 किलोग्राम वर्ग में अजय बाबू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं, बिंदियारानी देवी ने 58 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, जबकि ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता।

शर्मिला धनखड़ ने घर बेचकर शुरू की ट्रेनिंग

शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के चित्रौली गांव की रहने वाली हैं। 2 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हो गई थीं, जिससे उनका एक पैर प्रभावित हो गया। पिता छोटे किसान थे और मां दृष्टिबाधित हैं। बेहतर इलाज नहीं हो सका। आर्थिक तंगी के बीच कम उम्र में उनकी शादी कर दी गई।

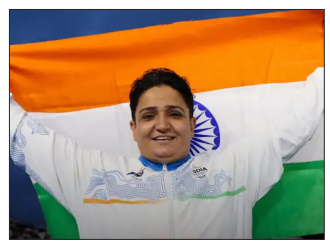

शर्मिला धनखड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद राष्ट्रीय ध्वज के साथ।

शर्मिला के लिए पैरा एथलेटिक्स का सफर आसान नहीं था। 34 साल की उम्र में उन्होंने कोच टेकचंद और देवेंद्र के मार्गदर्शन में I57 कैटेगरी के सीटेड शॉट पुट इवेंट की ट्रेनिंग शुरू की। आर्थिक तंगी इतनी थी कि 2023 में ट्रेनिंग का खर्च जुटाने के लिए उन्होंने अपना घर बेच दिया। इसके बाद परिवार किराए के मकान में रहने लगा, लेकिन शर्मिला ने अभ्यास नहीं छोड़ा।

मनोरंजन

पत्नी ईशा बोलीं- उनके पावर के डर से चुप थी, अब दिखावा नहीं कर सकती, 5 महीने पहले सीक्रेटली शादी की थी

बादशाह दूसरी बार लेंगे तलाक !

नई दिल्ली। पॉपुलर सिंगर और रैपर बादशाह की दूसरी शादी में अनबन की खबरें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी पत्नी ईशा रिखी ने हाल ही में एक पोस्ट में लिखा है कि वो अब तक बादशाह के पावर के डर से चुप थीं, लेकिन वो अब और दिखावा नहीं कर सकतीं। ईशा ने पोस्ट में तलाक का हिंट भी दिया था।

ईशा रिखी ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'कुछ लड़ाइयां ऐसी भी होती हैं, जिनके जख्म बाहर दिखाई नहीं देते। मैं बहुत लंबे समय तक चुप रही, क्योंकि मैं डरी हुई थी। मुझे लगता था कि मेरे पति के पास इतना इन्फ्लूएंस, पावर और रीसोर्स हैं कि उनके सामने मैं कुछ नहीं कर पाऊंगी। मैंने खुद को यही समझा लिया था कि चुप रहना ही मेरे लिए सबसे सुरक्षित रास्ता है।'आगे ईशा ने लिखा है, 'चुप्पी कभी स्वीकार नहीं की जाती, वह सिर्फ अपने अस्तित्व को बचाने की कोशिश थी। आज मैं डर नहीं, बल्कि हिम्मत को चुन रही हूं। शायद मैं अभी पूरी कहानी बताने के लिए तैयार नहीं हूं, लेकिन अब मैं यह दिखावा करना बंद करने के लिए तैयार हूं कि सब कुछ ठीक था।'वहीं एक ने लिखा, स्ट्रॉन्ग रहो, डर कर नहीं। एक करीबी ने लिखा, तुम बहुत स्ट्रॉन्ग और सुंदर हो।

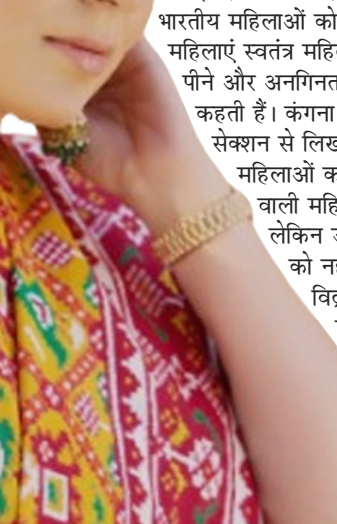

बादशाह के साथ शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं, लिखा- तूफान एक सबक है

इस क्रिप्टिक पोस्ट से कुछ दिन पहले ही ईशा ने बादशाह के साथ कुछ तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर लिखा था, कुछ तूफान, सबक लेकर आता है और हर दुआ उम्मीद। ईशा की इस पोस्ट पर करीबी दोस्त जैस्मिन भसीन ने कमेंट कर उन्हें मजबूत बने रहने की सलाह दी थी। बता दें कि ईशा रिखी की पोस्ट सामने आने के बाद कई करीबी और दोस्त उनके समर्थन में पोस्ट शेयर कर रहे हैं। एक करीबी ने लिखा है, ₹तुम जिस दौर से गुजर हो और अब भी गुजर रही हो, उसकी मैं गवाह हूं। मैं और तुम्हारे करीब रहने वाले बाकी लोग जानते हैं कि तुमने हर मुश्किल का सामना ईमानदारी, सच्चाई और पूरे आत्मसम्मान के साथ किया है। मजबूत बनी रहो, ईशा रिखी। हम तुम्हारे साथ हैं, और सच के साथ भी।

सिंगर और रैपर बादशाह ने मार्च 2026 में ईशा से गुपचुप शादी की थी। इंटिमेट वेडिंग में कपल के करीबी ही शामिल हुए थे। बादशाह ने शादी को राज रखा, हालांकि ईशा रिखी ने सोशल मीडिया में रोमांटिक तस्वीर पोस्ट कर इस पर कन्फर्मेशन दी।

वहीं ईशा ने एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए बादशाह को पति देव कहा था।

इससे पहले ईशा की मां ने उनकी और बादशाह की शादी की तस्वीरें पोस्ट कर दोनों को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दी थीं।

38 सालों से ढोलक की 'थाप' की जान बना हुआ देसी गीत

महिला संगीत में खूब बजता है मीनाक्षी का गाना

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा जगत में काफी लंबे समय से ऐसे गीत बनते आ रहे हैं, जो शादियों में लोगों की पहली पसंद बने रहते हैं। फिर चाहे वो डीजे प्लेलिस्ट के लिए हो या फिर महिला संगीत में ढोलक की थाप की शान बढ़ाने वाले क्यों न हो। इस आधार पर आज हम आपको अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि के 38 साल पुराने एक ऐसे कल्ट क्लासिक गीत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो महिला संगीत में लेडीज का फेवरेट माना जाता है। आज भी इस देसी गीत को खूब सुना जाता है। आइए जानते हैं कि यहां कौन से गाने के बारे में जिक्र किया जा रहा है।

शादी समारोह की शोभा बढ़ाने वाले हिंदी फिल्म के गानों के बारे में बात की जाए तो फेहरिस्त काफी ज्यादा लंबी है। लेकिन उनमें से कुछ चुनिंदा सॉन्ग्स ऐसे रहे हैं, जो समय के साथ-साथ कालजयी बन गए। उनमें से एक गीत अमिताभ बच्चन, जया प्रदा, मीनाक्षी शेषाद्रि और मिथुन चक्रवर्ती स्टारर फिल्म गंगा जमुना और सरस्वती से नाता रखता है, उस गाने के बोल हैं- साजन मेरा उस पार है... ।

इस गाने को मूल रूप से एक चलती ट्रेन में मीनाक्षी शेषाद्रि पर फिल्माया गया है। इसमें आपको अमिताभ बच्चन और जया प्रदा की झलक भी देखने को मिलेगी। गंगा जमुना सरस्वती फिल्म का साजन मेरा उस पार है... गाना 38 साल बाद भी कल्ट है और इसे काफी पसंद किया जाता है।

कंगना ने नई जनरेशन की महिलाओं को कहा गटर छाप

लिखा- नशा, शराब, कई आदमियों से यौन संबंध बनाना इनके लिए आजादी, हाउसवाइफ तक नहीं बन सकतीं

नई दिल्ली। सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने नई पीढ़ी की भारतीय महिलाओं को गटर कहा है। कंगना का कहना है कि ये महिलाएं स्वतंत्र महिलाओं की नकल उतारते हुए नशे करने, शराब पीने और अनगिनत आदमियों से यौन संबंध बनाने को स्वतंत्रता कहती हैं। कंगना ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन से लिखा है, 'सबसे शर्मनाक बात उन युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है, जो स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को नहीं निभाना चाहतीं। असल में स्वतंत्र महिलाएं विद्रोही फैसले लेती हैं, बेबाक राय रखती हैं, परंपराओं से हटकर करियर चुनती हैं और अपने हर फैसले की पूरी जिम्मेदारी भी उठाती हैं। उन्हें अपने कर्मों की कीमत खुद चुकानी पड़ती है। वे अपने माता-पिता या परिवार की कीमत पर ऐसा नहीं करतीं।' आगे कंगना ने लिखा, 'आज तथाकथित वेस्टर्न सोच से प्रभावित भारतीय महिलाओं की एक नई पीढ़ी सामने आई है। मैं इन्हें 'गटर जेनरेशन' कहती हूं। इनमें से कुछ के पास समाज को देने के लिए कुछ भी नहीं है। वे पढ़ाई में अच्छी नहीं हैं, लेकिन इतनी बदसूरत सोच और भ्रष्ट मानसिकता रखती हैं कि अच्छी हाउसवाइफ भी नहीं बन सकतीं।'

स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर कहा था- कैसी परवरिश हो रही है

भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने सोमवार को स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर भी विवादित राय दी और नई जनरेशन की परवरिश पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया से लिखा, 'अपनी पूरी जिंदगी में मैंने कभी इतनी बदसूरती एक साथ नहीं देखी। Gen Z के विरोध-प्रदर्शनों की ये रीलें देखकर घिन आती है। इन लोगों के बोलने का तरीका और जिस भाषा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हर फ्रेम इतना अजीब और परेशान करने वाला है कि देखकर घिन होती है। आखिर इन्हें जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है?'

कंगना रनोट ने सोशल मीडिया के जरिए स्टूडेंट प्रोटेस्ट का जमकर विरोध किया था। उन्होंने कहा कि किसी को पद से हटाने या रखने के लिए सरकार पर दबाव बनाना गलत है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मुद्दों पर बहस के लिए संसद सही जगह है, न कि आंदोलन।

जापान के कुमामोटो में 7.1 तीव्रता का भूकंप

अलर्ट

सुनामी की चेतावनी जारी, 10 किमी की गहराई में केंद्र था

टोक्यो, एजेंसी

जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) ने सुनामी की एडवाइजरी जारी की है।

JMA के मुताबिक, भूकंप का केंद्र कुमामोटो तट के पास समुद्र में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। तेज झटकों के बाद तटीय इलाकों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है और लोगों से आधिकारिक निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

प्रशासन ने कहा कि यह फैसला सुरक्षा के एहतियाती कदम के तौर पर लिया गया है।

भूकंप के बाद कुमामोटो कैसल की दीवार ढही

जापान के कुमामोटो में आए भूकंप के बाद ऐतिहासिक कुमामोटो कैसल की पत्थर की दीवार का एक हिस्सा ढह गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दीवार का हिस्सा पास के जलाशय में गिरता दिखाई दे रहा है।

> जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप आने वाले देशों में है। यहां हर साल 1,500 से ज्यादा भूकंप दर्ज होते हैं। इसके बावजूद बड़े भूकंपों में दूसरे देशों की तुलना में नुकसान कम होता है। इसकी वजह भूकंप-रोधी इमारतें, तुरंत मिलने वाली चेतावनी, लोगों की नियमित तैयारी और मजबूत राहत व्यवस्था है।

कुमामोटो कैसल जापान के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में गिना जाता है। इससे पहले 2016 के कुमामोटो भूकंप में भी इस किले को भारी नुकसान पहुंचा था।

सुनामी अलर्ट जारी होने के बाद जापान के प्रशासन ने प्रभावित तटीय इलाकों में तत्काल निकासी के आदेश जारी किए हैं। अरियाके और यात्सुशिरो सागर के लिए एडवाइजरी लागू है। प्रशासन ने लोगों से कहा है कि समुद्र और तटीय इलाके खतरनाक हैं। तुरंत तट से दूर सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

48 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद 48,300 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। बिजली कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर की टीमें आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि गिरे हुए या टूटे बिजली के तारों को न छुएं। साथ ही कहीं भी बिजली के उपकरणों या लाइनों में नुकसान दिखने पर तुरंत इसकी सूचना देने को कहा है।

भूकंप के बाद ऐतिहासिक कुमामोटो कैसल की पत्थर की दीवारों का एक हिस्सा ढह गया।

जापान सबसे ज्यादा भूकंप वाले देशों में शामिल

जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं।

फ्रांस में जंगलों की आग के दौरान पहली बार बने 'फायर क्लाउड'

यूरोप में दुर्लभ घटना, जलवायु परिवर्तन से जुड़ी

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के जंगलों में लगी भयानक आग के दौरान अग्निशमन कर्मियों का सामना एक ऐसी खतरनाक घटना से हुआ जिसे उनमें से कई ने पहले कभी नहीं देखा था। यह घटना है पाइरोक्यूम्यलोनिम्बस या फायर क्लाउड (आग वाला बादल)।

आग से बनने वाले ये बादल बड़ी आग या ज्वालामुखी फटने से निकलने वाली तेज गर्मी से बनते हैं। इनसे बिजली कड़कती है व जलते हुए अंगारे निकलते हैं जिनसे और आग लग सकती है। साथ ही इनसे तेज एवं अनिश्चित हवाएं चलती हैं जो आग को और भड़काती हैं व अंगारों को फैलाती हैं।

लेकिन इनसे बारिश शायद ही कभी होती है। गिरोंडे इलाके में फायर और इमरजेंसी सर्विस के निदेशक मार्क वर्म्यूलेन ने रविवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि वीकेंड के दौरान फ्रांस के सबसे बुरी

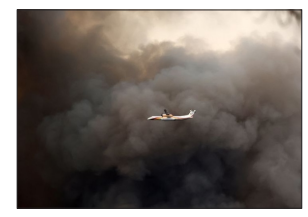

तरह प्रभावित इलाकों में से एक में एक फायर क्लाउड की वजह से और आग लग गई।

फ्रांस के नेशनल फायरफाइटर्स फेडरेशन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल एरिक ब्रोकार्डी ने एएफपी को बताया, हालांकि कनाडा और आस्ट्रेलिया में इस तरह की आग अक्सर लगती रहती है, लेकिन फ्रांस में यह पहली बार हुआ है।

फायर क्लाउड की घटना अग्निशमन कर्मियों के लिए बहुत बड़ी चुनौतियां पैदा करती है। नासा के अनुसार, ये बादल आग बुझाने की कोशिशों में रुकावट डालते हैं और समुदायों को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

फास्ट न्यूज

फ्रांस में इन्फोसिस पर 2 करोड़ का जुर्माना

फ्रांस । श्रम अधिकारियों ने इन्फोसिस पर 1.75 लाख यूरो यानी करीब 2 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। कंपनी की कर्मचारियों के काम के घंटे रिकॉर्ड करने वाली प्रणाली कानूनी जरूरतों के मुताबिक नहीं पाई गई। यह जुर्माना फ्रांस की रिजनल लेबर अथॉरिटी DRIEETS इले-डी-फ्रांस ने लगाया है। इन्फोसिस ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस मामले की जानकारी दी है।

चांदी 6,543 गिरकर 2.18 लाख पर आई

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 28 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 6,543 रुपए सस्ती होकर 2.18 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,907 रुपए गिरकर 1.43 लाख रुपए पर आ गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

सेंसेक्स 69 अंक गिरकर 76,765 पर बंद हुआ

मुंबई। शेयर बाजार में मंगलवार, 28 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 69 अंक की गिरावट के साथ 76,765 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 10 अंक गिरा, ये 23,985 के स्तर पर बंद हुआ। FMCG और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली रही।

ब्रेंट क्रूड के दाम में आज करीब 2.5% की गिरावट है।

'बयानबाजी में दिलचस्पी नहीं, यहूदियों की सुरक्षा प्राथमिकता'

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी का नेतन्याहू पर टिप्पणी से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि वह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ किसी भी तरह की जुबानी जंग में पड़ने के इच्छुक नहीं हैं। नेतन्याहू ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को लेकर ममदानी की पिछली टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की थी, साथ ही उन पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया था। ब्रुकलिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से इस पर सवाल किया गया, तो उन्होंने मामले को ज्यादा तूल न देते हुए अपना रुख साफ किया। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ब्रुकलिन में सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मेयर ममदानी ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ किसी बयानबाजी में पड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा, हमें बस इतना कहूंगा कि यहां न्यूयॉर्क शहर में मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक यहूदी नागरिकों को सुरक्षित रखना और हर एक न्यू यॉर्कर की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हम जानते हैं कि भले ही यहूदी नागरिक न्यूयॉर्क की आबादी में अल्पसंख्यक हैं, लेकिन वे घृणा अपराधों के शिकार लोगों में बहुसंख्यक हैं, और यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ममदानी से यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत में अपनी उस मांग का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर नेतन्याहू न्यूयॉर्क आते हैं तो शहर को ICC के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लेना चाहिए।

अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा, लंबे समय की आर्थिक तंगी से दिमाग की क्षमता घटती है

आर्थिक तंगी के कारण समय से पहले बूढ़ा हो रहा दिमाग

- 53 की उम्र तक सोचने-समझने की शक्ति कम हो जाती है।
- आर्थिक तनाव डिमेंशिया और दिमाग की सिकुड़न का कारण।

लंदन, एजेंसी

लोगों के जीवन में पैसा बहुत मायने रखता है, लेकिन पैसा ही सबकुछ हो, ये जरूरी नहीं। एक नई स्टडी में जानकारी सामने आई है कि जो लोग पैसे को लेकर ज्यादा तनाव में रहते हैं, उनके दिमाग पर काफी गहरा असर पड़ता है।

स्टडी में पाया गया है कि पैसे के कारण लगातार होने वाली चिंताएं दिमाग की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर असर डाल सकती हैं। यूनाइटेड किंगडम में इस स्टडी के लिए 2,759 लोगों पर सर्वे किया गया। डेटा के विश्लेषण से पता चला कि 53 साल की उम्र तक, जिन लोगों ने अपनी जिंदगी में आर्थिक तंगी का सामना किया था, उनकी सोचने-समझने की क्षमता (कॉग्निटिव फंक्शन) उन लोगों की तुलना में कम थी, जिन्होंने पैसे की कोई दिक्कत नहीं झेली थी। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के रिसर्चर जैक्स वेल्स ने कहा, 'कई सालों तक लगातार मुश्किलों का सामना करना खराब कॉग्निटिव हेल्थ से जुड़ा है, न कि कभी-कभार आने वाली मुश्किलों से।' स्टडी में पता चला कि जिन लोगों ने जवानी में लगातार पैसे की तंगी या कम आय का सामना किया, 53 साल की उम्र तक पहुंचने पर उनकी सोचने-समझने की शक्ति कम होती चली गई। वहीं 71 साल की उम्र तक उनके दिमाग में काफी सिकुड़न (ब्रेन एट्रोफी) देखी गई। स्टडी में बताया गया है कि आर्थिक तंगी को लंबे समय तक चलने वाली समस्या बनने से अगर रोक लिया जाए तो उम्र बढ़ने से जुड़ी सोचने-समझने की क्षमता में कमी और डिमेंशिया जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकता है।

> रिसर्चर्स ने यह भी पाया कि इन लोगों में 53 से 69 साल की उम्र के बीच वर्बल मेमोरी (शब्दों को याद रखने की क्षमता) में गिरावट की दर धीमी थी, जिससे पता चलता है कि इन लोगों का पहले ही सोचने-समझने की क्षमता में काफी नुकसान हो चुका था।

क्या है इसके पीछे का कारण?

रिसर्चर्स के मुताबिक, इस संबंध का कारण यह हो सकता है कि आर्थिक तंगी की वजह से दिमाग पर सोचने-समझने का बोझ ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे ध्यान देने और फैसला लेने जैसी प्रक्रियाओं के लिए दिमाग की क्षमता कम हो जाती है। स्टडी में यह भी पाया गया कि उम्र बढ़ने के साथ दिमाग पर आर्थिक तनाव का असर पुरुषों, मुश्किल बचपन वाले लोगों और अल्जाइमर के जेनेटिक रिस्क वाले लोगों पर काफी ज्यादा बुरा होता है।

बेलारूस की डेंटिस्ट सबसे बड़ी दावेदार, एपस्टीन ने मरने से पहले आखिरी कॉल उन्हें किया था

यौन अपराधी एपस्टीन की करोड़ों की संपत्ति किसे मिलेगी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

दुनिया के सबसे कुख्यात यौन अपराधियों में शामिल जेफ्री एपस्टीन की मौत को सात साल हो चुके हैं, लेकिन उसकी अरबों रुपए की संपत्ति को लेकर विवाद अब भी जारी है।

अमेरिकी जांच एजेंसियों के नए दस्तावेजों से पता चला है कि बेलारूस की 37 वर्षीय डेंटिस्ट कारिना शुलियाक उसकी संपत्ति की सबसे बड़ी दावेदार हो सकती हैं।

दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन ने अपनी वसीयत में कारिना के नाम करीब 959 करोड़ रुपए की संपत्ति और 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी छोड़ी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कारिना शुलियाक एपस्टीन की गर्लफ्रेंड थीं। 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की जेल में आत्महत्या से पहले एपस्टीन ने आखिरी फोन कॉल भी उन्हें ही किया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, दोनों की मुलाकात एक महिला ने कराई थी। उस महिला ने बताया कि उससे समय-समय पर दूसरी युवा महिलाओं को भी एपस्टीन के पास लाने के लिए कहा जाता था।

न्यूयॉर्क टाइम्स को डॉ. शुलियाक की एक पुरानी दोस्त ने बताया कि वह एपस्टीन से प्यार करती थीं। (सोर्स- अमेरिकी न्याय विभाग)

21 साल की उम्र में एपस्टीन से मिली थीं कारिना

जांच रिकॉर्ड के मुताबिक, मार्च 2011 के आखिर में डॉ. कारिना शुलियाक की मुलाकात जेफ्री एपस्टीन से हुई थी। तब वह 21 साल की थीं और न्यूयॉर्क आए उन्हें सिर्फ नौ महीने हुए थे। वह बेलारूस से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका आई थीं, ताकि डेंटिस्ट की पढ़ाई पूरी कर सकें। उस समय एपस्टीन फ्लोरिडा में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर चुका था। उस

दोनों के प्राइवेट ईमेल और तस्वीरें सार्वजनिक हुईं

जेफ्री एपस्टीन की 2019 में मौत के बाद डॉ. कारिना शुलियाक लोगों की नजरों से दूर रहकर सामान्य जिंदगी जी रही थीं। हालांकि, यह ज्यादा समय तक नहीं चल सका। जनवरी के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, ईमेल और रिकॉर्ड जारी किए। इनमें डॉ. कारिना शुलियाक और एपस्टीन के बीच हुए हजारों निजी ईमेल और दोनों की साथ में ली गई कई तस्वीरें भी शामिल हैं।

इन दस्तावेजों से दोनों के करीब 8 साल पुराने रिश्ते का खुलासा हुआ। रिकॉर्ड के मुताबिक, बेलारूस में जन्मीं कारिना शुलियाक ने कभी खुद को एपस्टीन की पीड़िता नहीं बताया।

मेटा ने पहले मोदी का वीडियो हटाया, अब रीस्टोर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक से हटाया गया वीडियो Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से वीडियो गलती से हट गया था।

इससे पहले कुछ समय के लिए फेसबुक पर यह वीडियो दिखाई नहीं दे रहा था, जिसके बाद इस पर सवाल उठे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह वीडियो 23 जुलाई को जारी किया था। इसमें उन्होंने जेन-जी और छात्रों को संबोधित करते हुए परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया था।

इधर, न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (MeitY) ने Meta (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के ग्लोबल हेड और कंपनी के पब्लिक पॉलिसी के ग्लोबल हेड को भी तलब किया है।

23 जुलाई की रात 12 बजे X हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56

> कहा- तकनीकी गड़बड़ी से हटा, पीएम ने 23 जुलाई को छात्रों को मैसेज दिया था

मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा-पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

इजाफा : सरकार को नहीं पता अरबपतियों के पास कितनी संपत्ति, दावा- बेरोजगारी और गरीबी घटी

देश में 576 अरबपति, 5 साल में चार गुना बढ़े

जयपुर,एजेंसी

देश में पिछले पांच साल में अरबपतियों की संख्या में चार गुना से ज्यादा का इजाफा हुआ है। साल 2021-22 में 142 अरबपति थे। 2025-26 में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 576 हो गई है। सरकार ने अरबपतियों की संख्या बताई है, लेकिन अलग-अलग अरबपतियों की कुल आय का ब्योरा नहीं दिया है। दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारीलाल मीणा के सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि आयकर एक्ट में अरबपति शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। लेकिन आयकर विवरण (ITR) में सालाना 100 करोड़ या इससे ज्यादा की आय दिखाने वालों का ब्योरा दिया है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के श्रम बाजार कोविड-पूर्व स्तर से बेहतर स्थिति में हैं। 15 साल और इससे ज्यादा उम्र के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 2022 के 3.6% से घटकर 2025 में 3.1% हो गई है।

नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के निष्कर्ष बताते हैं कि साल 2015-16 और 2019-21 के बीच देश में बहुआयामी गरीबी का अनुपात 24.85% से घटकर 14.96% रह गया है। इस अवधि में लगभग 13.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं।

सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपत्ति का ब्योरा नहीं

सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपत्ति का ब्योरा नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि सरकार के पास करदाताओं की कुल संपत्ति का कोई आधिकारिक या संकलित डेटा नहीं है। इसका कारण यह है कि संपत्ति कर अधिनियम, 1957 को एक अप्रैल 2016 से खत्म कर दिया गया।

घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम

जवाब के अनुसार, घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम हो रहा है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गिनी गुणांक (लोगों के बीच आय या धन की असमानता) 0.237 और शहरी क्षेत्रों के लिए 0.284 दर्ज किया गया है। यह 2022-23 के आंकड़ों से कम है, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है।

दौसा से कांग्रेस MP ने लोकसभा में सवाल लगाया था।

अमेरिका में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को पति ने उतारा मौत के घाट

बच्चों के प्रति यौन आकर्षण का लगाया था आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सारा गिलसन की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या कर दी और खुद भी आत्महत्या कर ली। सारा का पति उससे अलग रह रहा था। दो हफ्ते पहले ही सारा ने अपने पति पर बच्चों के प्रति यौन आकर्षण (पीडोफाइल) होने का आरोप लगाया था। पुलिस ने बताया कि 43 साल की सारा गिलसन (जिन्हें सारा डफी के नाम से भी जाना जाता था) और उनके अलग रह रहे पति 48 साल के जेरेमिया शॉन डफी गुरुवार रात ओक्लाहोमा के तुलसा के पास कॉलिन्सविले में अपने घर पर मृत पाए गए। सारा को गोली लगी थी। जांच करने वालों का मानना है कि डफी ने खुदकुशी करने से पहले गिलसन को गोली मारी थी। मामले की जांच अभी चल रही है।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ये मौतें उस घटना के कुछ हफ्ते बाद हुईं जब गिल्सन ने 10 जून को डफी को घर से दूर रखने के लिए

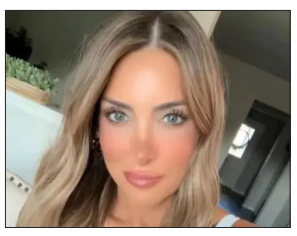

सुरक्षा आदेश की मांग की थी। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उसी दिन एक और महिला ने भी सुरक्षा आदेश के लिए अर्जी दी। महिला का आरोप था कि डफी ने उसकी टीनएज बेटी के साथ गलत व्यवहार किया था। द ओक्लाहोमन की रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी दस्तावेजों में बताया गया है कि यूथ बास्केटबॉल के एक साथी कोच ने डफी को लड़की को चूमते और गलत तरीके से छूते हुए देखा था। यह भी दावा किया गया है कि बाद में उस टीनएजर ने अपनी मां को बताया कि डफी ने उसे गलत टेक्स्ट मैसेज भेजे थे, बास्केटबॉल ट्रिप के दौरान उसे अपने होटल के कमरे में बुलाया था और उसे चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676